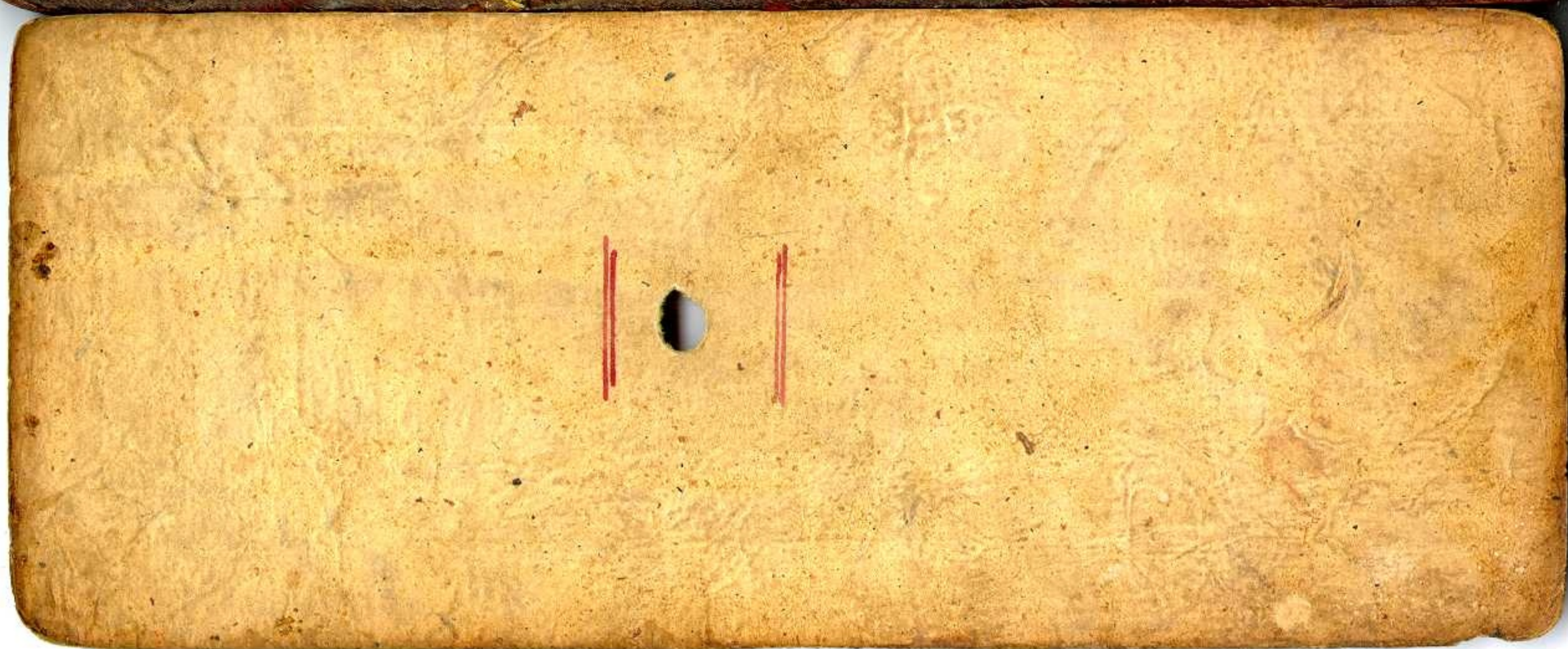






P. 1011. 11. 11. 11.
438
ADNA ADNA



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

२ विष्णुसामान् ॥ २

सन्तु माय ॥ १ ॥ नमस्कार ॥ उँ नमश्चीवकुसुमवाय ॥ जाव ॥ धर्मधाम्जिनहृदया नद
कालिका ॥ कामाग ॥ जंगदालाकलावन ॥ जाव ॥ कमलासनसुखशिववर्धनाकवकी
मली ॥ कामाग ॥ सहजानंदका
दमा ॥ कामाग ॥ नरुटमैरु क
काल ॥ ईअलमाथ ॥ विश्वस
वा ॥ ॐ ॥ नमामि श्यागीश्वरमयममूनिहृदया श्विनासयीकूटागमसयवजिन
हृदया ॥ ॥ पीकनीमवृक्षिकवयनं श्वरजिनवममकूटमनिदयन ॥ ॥

२॥ (५) ॥ १॥

धर्मवक्तु मजा कलिग मा ॥ १ ॥ सगुवा पयि पुरु सुवस्तु सै ॥ ॥ सुना सुमन मिगु वव वमल
२ रु नयि पन मा दि वरु जि न गु ल म य (५) ॥ १ ॥ २ भाग ॥ **हे मदी** ॥ स (ध) म म म म द म सिक
न क मा जि क पूर्वा दि द द ऊं व
व र्ण पं व जि न वा पि या म ॥ **क** ॥ दी र्य २ अ प न ग व ज य नी उ रु न क म यु व न य व
न म पं व वृ दं वि न सृ जि तं वि न द न वि न रु
न प क म नू ति २ अ वृ दि पा न ना व द ति जि न मा न सा रु न रु रु य ति मि ल य
न धा म नू य ॥ ॥ जा त व दान स या उ प दी र्य मा उ प दी य जी रु धा न २ य स न मा उ प दी
प रु उ वि दि गी रु व न द्वा र प दी य पी र व गु प व गु ॥ ॥ दि न द व म पा वि म न म नू धि

२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

नया यिय स प म द ल व वि या म २ अ व म ना उ दि वि य सा य न व का म ति क ल नि धि
नि खि ल व द य कि ॥ ॥ गु न व न त वि व न सा रु ग ति प रि ला व ना म न क स म उ द क य
वि सै रु लि पू जा २ पु त व प वि
न म ल स्य उ रु र्ग ॥ २ ॥ भा ग ला न पि स प प रि रु धि र्ग रु व ज ल नि धि र्ग
हे मदी ॥ नि र्म ल वि व उ व दि द ल स मा नू र
म (ध) ग रु का दि वृ क सा द नू यी २ स मी न य प रि क ल लि क मा र्ग म मि नि न ल नि
ल सृ गा प द क ल मा द नू यी ॥ **क** ॥ ॥ उं न मा मि द वी पी व रु वि नो जि नी वि रु य रु म न र व स
म हा न द वी २ उ ठि का न पू र्ण मि त्रि का म नू प गी रु क सु वि रु द म गु ल नि स य कि ॥ ॥

२॥ १॥ १॥ १॥

वसुदलसममदवमधर्मवकुषाठहादलसमगवकं२हाहिं१गदलकमलमदास
खवकुहंकाभनूपगीदमूकनाथ॥ ॥ ददयिजिनविद्यादिविद्यानरुदनिशुवमूक
धमयानादयूपी२पीथादिदहा
नीविमन्थनी॥ ॥ दर्पवपुति
ऊदवी२ऊमऊममानुहुंशया
माग॥ **गी॥ धनरुमवि॥** गाकूदहनपंवसुतस्वमूप२पीथामियमसपंवसात्रियुजिया
॥ **क॥** ॥ उक्तदवीवल्लिमायात्रिउवनवीमा२वीममनायकसमयानद॥ ॥ वीम

३

२॥ १॥ १॥ १॥

वीमन्थमसदजानंद२कर्नेकमलासनहुदयानंद॥ ॥ पंववृद्धपंवस्वंधसमूप२
दवाअमूनननपुमदिकहुदया॥ ॥ उंआ१हंकीखेंस्वधनकर्नि२उममूयपू॥
निविममानंद॥ ४ ॥ १॥ माग॥
नी२विद्यमानइष्टदर्पविना
सिद्धिदायनीऊगतऊननी॥ ॥ पूर्वदलगतनकूवर्षीनि२००॥ नयामिनीदवीनील
वर्षीहा॥ ॥ वायव्यमाहिनीदवीनीकवदुनारा२पश्चिमसंमन्त्रिनीदवी॥ गोमवर्षदहा
॥ ॥ नमस्तुतेजामिनीदवीहृत्त्रिवर्षीहा२दक्षिणवर्षीकादवीधूमवर्षीनि॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

बहुकुजा नाना पंचमूडारु मत्त ॥ २ ॥ स्वस्व वीज संहवानव नमसदिर्ग वना ॥ ७ ॥ नागा ॥
 मवि ॥ ॐ आ ४ हं रुद्र अननक मत्ता हामि कु उजा न ॥ १ ॥ पूजा पूष क पूष रा व न स्व स्व मूय
 पत्रि ता व ॥ ३ ॥ ॥ स्व स्व स्वा हि २ वलि पू म न च य पाटय २ वि प्र द न २ पं ग्रामि
 य म स पं व सा ग्रि न पं व ह न स वं रि ता ॥ ॥ सर्व य रु मा रु म रु त पु र्ति य
 ना वा न्मा दा पि मा न २ ७ क जा कि नि इ यि अ रु म्भ न न ० दे व लि गू क रु म ॥
 दान पति सर्व कार्य लया सर्व स्व संपत्ति न क न २ य ॥ ये व रु ॥ ये व रु उ र्थ पि व र्थ डि पु
 थ मा रु क म थ न ॥ ॥ समय म रु रु दान पति न सर्व सिद्धि संपद ना कि न २ आ स २

पुन ४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

सा न क था ग क व रु न सर्व सिद्धि संपत्ति वृद्धि न ॥ ७ ॥ नागा ॥ पट मं ज लि ॥ अनि न अन न
 ज ल आ रु सा म्भ म न्म तु ल व रु ना या २ व रु प अ ल स म्भ जा म स प त्रि रु त्रि म न्म तु ल
 व रु ना या ॥ ३ ॥ ॥ उ म न्म रु न यि या गू न्मा क न्म ल आ लि ग त ह न्म व रु न यि या
 २ व रु वा ना हि आ लि ग त सै व न रु न यि या ॥ ॥ रु ति सै वि नै वि न ग्ध न
 सै ज हि ऊ हि क हि क हि अ रु म्भ ना न २ अ न रु क सर्व द व र्ज षा उ म द वी
 मि न नी रु य न सै हा वा ॥ ॥ ति रु व न रु म्भ रु ना या रु मा अ ति रु व न रु म्भ रु वी न
 वी ना २ ति वी रु व न न व ना ट व सै पु सा दि न रु लि ग म उ उ का का ना ॥ ॥ अ हि नि सै

अनुसूत॥

सकगुन वा महुमाया सुदिन रावा लाय २० नो मजत रुय वधुन सुदिन मरुय मा नू अति स
सै ला व ॥ १ ॥ नाग ॥ ललित ॥ अनुरुन तथ ता वं का न सै ला व न त्र नू प वि गी त वि वि कु क
ल ही २ ३ आ ४ हू का न व जा मू क
मू त म स वा धि रु ल दा य क स र्व
धि र्ग द नू क नू ला रु व सै सा न ना
धा नू ज सै य कू मी व सै ला धि र्ग र्ग य पी य र्ग २ हू का न म कू पू थ गु गा व हू व ज सै स्तु पि त
वि ण क क ल ही ॥ ॥ घट म हू क म स म हू नू य ला व आ कू हू मी दा कि नी ऊ ल नू य २ म

नकवर्ग ॥ २ ॥ नमः ॥

टि ति सा धा नू द व ता य कू हा न स स मा नी य हू धी ज कि न ती ॥ ॥ पा या दि आ व म नू दा न पू थ स
न ती री स म यी व कू व नि त वि मू द क ल ही २ म हा मा ही दु वी रु य वा धि वि रु नू र्ग स म य स
व हू न स ल उ कि रु त ॥ ८ ॥
हा द नू उ ज पु ह न ती कि न ती ॥
ग त पु मा दि न म य न सू ना ती ॥
गु नू उ य द ती ॥ ॥ प २ वू हू स नू प य उ कू २ स या न यो गि नी मा ज्य हू नू व उ हू नू व ॥
स क गु नू व न ती नि री ग त ध वि या २ रु न यि वा कू व ज सू ना सू नू यी ॥ २ ॥ नाग ॥ नू वी ॥

ॐ नमः ॥ १०

नमः हं अकार नृपधनं स्रष्टु विमल उगधन ॥ ५ ॥ न नाहै शतनाम न हं हं ॥ ॥ वंदे जालि
गलयागधनं श्रवणं धनं मुद्राधनं ॥ ॥ धनं नमः खनद हधनं श्रवणं दस साहिय उदम
न ॥ ॥ मायाद हमीत ऊं गु २ साहिय कनूत सल मद्र ॥ १० ॥ नाग ॥ गुं गा न
मालि ॥ ॥ क्रिय कु म विग मि मः पुन मा मा थिति आ नंद म नूति धना श्रवणं द
मादी आ लि गल सै व न ना नः मि म द्वा ह ला ॥ ५ ॥ न नाहै शतनाम न हं हं ॥
नील वधू च कु व कु प्र ति मूख वि म ना य न मा नै द म नूति धना श्रवि म व ह अ हं वं ड ऊ द म व
ट धा मी दा उ आ रु म द स (मालि ना ॥ ॥ व ज घ गृ ग ऊ च म उ म नूख द्वा (ग वि म मा नै द म

ॐ नमः ॥ ११

नूति धना श्रवणं कपालं य न गुण गति गूल व द्वा नि र्ब ध ना या पु र्म क ति य सि ना ॥ ॥
दि गं वि दि गं का का ग्धा दि य म ज कि नी द वी स रु जा नै द म नूति धना श्रवणं मि श्र व क स म
मा स रु गु नू व (स आ मा धि ना ॥ ॥ ११ ॥ नाग ॥ ल लि ना ॥ पं च म द्वा पा रु स म या
का मी कु व था नै श्र द ग दि ग द श व ल आ मा धि या न स म या न द रु म दि द्वा ॥ ५ ॥
वी न वी न श्र व व यि था न स गु लः मा ह नि वि श्व रु मि र्यै श्र हं का मा व लि दान द वी
दान प ति न वि घ्न नि वा न य ॥ ॥ स दि श्री सै व न मा म्प का ल व क ह व ड का य वि रु लि या श्र या
ग या मि नी म वी य वि व क न स म या नै द रु म दि द्वा ॥ ॥ सि द ना द वा डि या ल उ म नू पु ना द

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

२५॥

[illegible][illegible]

उदितं ॥ २॥ उदितं पद्म ॥ २॥

सममर्गमात्रं ॥ ॥ गच्छदहनविद्वैर्मासैरुक्तं कश्चिन्नतमूलाभायः ॥ नापविष्ययन् ॥ ॥
 द्वादशसुखं श्रीवामीकडवदनश्चित्रमेतद्वगगतं हस्तुश्रुतिता ॥ २० ॥ ॥ मागा ॥ **विताम**
 उदितं गललेयापवनईताश्चर्मसूदामककाशमता ॥ **कु** ॥ यालइहं गुरुवतिर्मेक
 नाश्च सुखयनिर्भजनमाकुरुः ॥ ॥ दिनकर्ममपुल्लमध्वगताश्च कुरुता ॥ २०
 मृतमसमवहता ॥ ॥ दध्वा ॥ अत्रिरुययुक्तिनिर्देताश्च दवासूत्रनमृतिर्भ्यः
 नमिता ॥ ॥ गवद्विषयनविगुमूरुकाश्च वज्रवामादीर्हस्तुश्रुतिर्भ्यः नमिता ॥ २१ ॥ मा
 गा ॥ **नध्वमहेमवि** ॥ उदितं पद्मगुच्छमपुल्लमहासुखं कश्चिद्वीदजविनामिनीतत्त्वह

उपविष्टा ॥ २॥

नवर्क ॥ **कु** ॥ पीवयित्रमदानसुगाकूदहनश्चर्गमाकमार्गसुखउभयार्थ ॥ ॥
 वज्रवामादीर्हस्तुश्रुतिर्भ्यः कश्चिद्वीदजविनामिनीतत्त्वह ॥ ॥ पूजापूयगुच्छातिषकम्
 नूरुनक्रियाश्च सत्वनमवित्तत्त्वक्रियासमृद्धय ॥ ॥ गुरुपुनादनेदुर्गकित्तर्गनेश्च
 रुतयिकूलदरुजाचार्यतयः ॥ ॥ २२ ॥ मागा ॥ **पयम** ॥ ऊर्ध्ववाहूलीद
 नूतयमयीश्च सयमसूनासूत्र ॥ ॥ जगतउद्वानती ॥ **कु** ॥ कुरुगवतिपादक
 मलमहीमपुल्लोपममूलमूर्तकाश्च हाउमआहमलविरुषितमखमयपूडला
 लाक्षितिलितिलितिनयनवितिनयना ॥ ॥ कनदिप्रपन्नशीवमूडनमजिलमालाश्च

五

कृषिखट्वागवममदृष्टकम् ॥ ॥ निलसर्पिंधर्माकर्तृलसृलाशकदुलीकयूनताचल
 सुखसागा ॥ ॥ नयिसूननवजवाद्यलीदासाशीवजददीषुमादशीदमृकपाया
 ॥ २३ ॥ नागा ॥ **खडगिनि ॥ खडि** ॥ दधुलकणिमावकमखलरुंषिकगीवमा
 डनममिलमालाशमिलवडि ॥ **खडिलयिया** रुस्रविरुषितगगदकादिद
 धूमिमाया ॥ **क** ॥ पुरुसगीदमृवदमानूकामायाइगनाथगीसंवममाया ॥ ॥ वज
 कमाटकदाथधनीयाकपुडियाडखट्वागशीयूरयागिनीकमलविलासिरुमम
 दासुखममिपसाद ॥ ॥ वजमानादीआर्लिगतमवमनावयिवरुविरुलरुंमाशवा

२ ष्वनिनिगवाम् ॥ २५

बुलिका ललेयिया किदेरि हनूव अर्द्ध सुवनरु लनपसाद ॥ सदज संवृत्तिलः
 यिमाग वकि कर्तृपाल श्रीह नूववनतपसाद २ पुष्पमालिगत किदेरि हनूव वि
 नायि मूयक मूत्ता ॥ २४ ॥ गग ॥ खट्ट कात्रका माद ॥ मूवनि निदिह वाम जानू ख
 ककिन लोमाने सैजामा २ नाथ गद्वषमाद्वर्धिन पाता किउवन नाया अ
 वविना ॥ ५ ॥ नमामिगी वर तुमदा माषता जाक मूत्त रुय बुदिना २ वि
 न्नाथ विन्यापि विन विक्रम मदा काधनाया ॥ ॥ अकिहि वलगाड कपवः
 उडक माय विरूति किनता २ पीठि गमूधना ककल नयना वेनि सैजामा माषः

अथ निनिहित जाय ॥ २५

इत्यत्र ॥ ॥ माधवमाया पूर्वद न बुद्धा मोड पिम वा पाद रुमुत्त २ सम न स माया नाग वि
माहा ह्यन माया सम हिरु ददा ॥ ॥ न ता रुम ता उ कलित मो जी कय न नू य न मू र्ते मूर्ते
का ना २ स न न न नाग वै दि रु व
का मा द ॥ अथ निनिहित जा नू
दना ॥ **कु** ॥ न ना हूं हूं न ना हूं हूं
न युक्ति साहित म र्ग २ पा म र व म्म धा नी ति उ व त ना थ ॥ ॥ ह नि ह न व क्क ० उ व उ मा
ना २ मा र वि प्र यु ति रु रु ह य द न ता ॥ ॥ वि वि वि न त्र य न मो गी ल क रु द दा २ उ ग रु

२५ का न र्से जा न ॥ २५ अथ निनिहित जाय ॥ २५

विर्वा दित रु व ल रु ल दाय क ॥ २७ ॥ ना ग ॥ **हं उ न** ॥ हं का न र्से जा न ० उ नी ल स म यु ति द
सा २ पा हा ला रु ल न स म यु ति हा ली क ला न स मा क ला ॥ **कु** ॥ ज र्ग उ म्म व ल म्म न ग म्म नू ति
र व म्म पा न क न धा नी २ उ ग रु ना थ उ ग रु पा लि म हा का व ना या ॥ ॥ अथ निनिहित वा
म जानू पा ल व द न ति ला व ना
ह रु ॥ ॥ ह नि ह न म य व र
न स य कि न त वि प्र रु रु ॥ ॥ वि वि वि न त्र आ रु व त वि रु पि रु दि व न त्र म्म मो ली २ उ
न रु वि र्वा दित स र्व स प रि सि धि व ल रु ल दाय क ॥ २९ ॥ ना ग ॥ **व स रु** ॥ अथ निनि

१॥ ॐ ॥ नावयिल्ली अखल विना २ ॥ विविधित्तमक नवि उचिना ॥ १४

सुमदं ह्यतिदह पुनश्च नो शंका नाउ जाने दविना सयिज्जुता ॥ ॥ याम उरुव विंदु म
डाद र्ना २ पुनश्च नो शंका नाउ जाने दविना सयिज्जुता ॥ ॥ विना गवेंडु घुक्तिरुवरुय कना शक्यः
निरुकरव कर्ज निपाता ॥ ॥ मानवहु मदर्प निखिल विप्रह का शन विना
मियुगन गगन विना स ॥ ॥ २४ ॥ नागा ॥ **कामाउ** ॥ पुनश्च नो शंका नाउ
वमू नति ॥ ॥ दुनील समदहा २ विना कर्ज निपाता ॥ ॥ नत्तम कूट का भा धिप ॥ ॥
नो मित्री पुत्र पुत्री न ॥ रुवर्षि धन नती २ विना नाथ किउ वन व्यापि वदा मिध सन क नती ॥ ॥
अनक जानू ति क किउ वन वी न ॥ सव्य रु पू ख क्क भा न ती २ वाम कर्ज निपाता धन न ॥

२३ विना कर्ज निपाता ॥ २२

१३

दा ३

वात्रि वधन क नती ॥ ॥ नाना नत्त हान नो यत्र कति मखल रुषि क द ह २ उरु क ना न
ही वमव द न ॥ किउ वन ना मा पु व पु वी न ॥ ॥ विना धिप सर्व रु य रु न ती पु न विना वा
दि म क म न न ती २ सु न न य का दि पा द रु न ती ॥ सर्व सिद्धि मा क रु ल द ॥ २४ ॥ नागा ॥
कनदि ॥ किउ वन कलि रु म ॥ नूति ह का न वी ऊ ऊ २ ॥ दुनील नत्तम कूट
क क ना र्ज ॥ ॥ ॥ या मित्री कि द ॥ ति क म ल क लि न २ ॥ वि न ल ना म रु सु धा न
स पि व यि न ॥ ॥ सर्व हान ख क्क मा रि या ॥ व रु मा न ति २ वाम कर्ज निपाता रु वा मि व ध
न ॥ ॥ नत्ता रु न रु वि क क य नू पु ना न २ सु न न व र्दि क किउ वन वी न ॥ ॥

२३ विना कर्ज निपाता ॥ २२

۲۸

की नखा २

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सूर्यमण्डलमायातांदवमूत्रिकाश्रीशवजमदितस्तुताहिता॥ ॥सकगुमूत्रवदमिर्मग
रधत्रियाशवजवाभादीर्दुर्मिर्मगकधत्रिया॥ २४॥नागा॥हेत्रवि॥गजाजिनडर्दवाथ
धत्रियाकमलकलिमज्जवामशुमनूकनक्तिकूथमजिगूलावामखर्दोगकपात्रा॥
शीसमूत्रवायावाद्युलीकुक्कुर्दीगुनीताशमानयिर्नवापयियात्रसासूरुवैकु
मूडासिद्धिमा॥ ॥पाडावक्त्रम
लहमिगलाहिरकनकाशववडमूत्रमूत्रिविकवा॥ ॥आलिष्टपयार्हवववापयि
यात्रकालीनारिर्षितमूत्राश्विगकलिमज्जवर्दजटायकवाघवर्मषठमूडा॥ ॥

अथर्ववेदः ॥ ३५ ॥

शुभिर्मन्त्रिबोधश्चमन्त्रायकश्चिन्मिवकुसदाविनवीनाश्चकनूतर्गमात्रविनविनश्चनकुज
 यिसयात्रमसात्र॥ २५॥ गोग॥ **ह्रस्वति॥** अह्रस्वकृपावदिर्गविदीर्गकुवनन्धगिलः
 मामवकुनवदन्२गगदसपनगगदमूर्नमूर्नकागागगदकुमनूवजयपृवाजिया
 न॥ **कु॥** ह्रस्वमामिपश्चुज॥ किनीपयशगकिनीहानअकिनीगमदाशर
 शगता॥ ॥ पूर्वउरुनवकि॥ दकिदवकुकुवनविप्रमामविप्रखरुगियान
 २अकिनीपिनीवडसिकवाजनीयात्रवतात्रमंजगवदनी॥ ॥ सिंघिनीपिनी
 यूकउरुकिनीखद्वीगर्गकृदाहृक्ता२वजजकिनीयात्रवतात्रअकिनवकुनदवी॥

विषयः ॥ ३३

जिनजनिदवीजकिनीर्देहायममत्तपंचमडाहजतविहविताश्चक्रुक्तकवजय
पुखद्वी(ग)पावपत्रमन्ववीहानदवी॥ २५॥ नाग॥ ललित॥ विषयविषयविनूयवतम
पाग्यहलियिर्वेडात्रिनाहिकम
मतिनिआलासमयस्यामद्य
वगविश्वमूर्पेशपयिपडमसंयास्यरवतीनासहजआनंदमयहानमूर्प॥ ॥ वडाप
यकासनकैकुमरतीतनूनामसंगितिआकाशध्यानैश्चगगनइश्वरतामनैवाधिरुलदा
यकैजागधर्ममानूलावदीर्य॥ ॥ गुमवाकट्टधनियाअधयवनकैवियमतिमदूट

१४

अपवर्णः ॥ ३४

वंदउलाधनीयाश्चउवकुपाउसत्रितयत्रमन्वत्रसूर्यरुममानूवाभाहकुवतं॥ ॥
स्वप्रमायासहजलावयत्रितावतावूहधर्मसंयगमत्तगमियाश्चुनवततिसिर्धत्रियगाव
निसूनकवडाऊमऊममानूवूहानदी॥ २७॥ नाग॥ ललित॥ अत्रयश्चनपीमैश्च
माभाश्चदीधनकिनलसंवादी
ताश्चपूखकवजदहिनकन
प्रपजासनकासनकासदहा॥ ॥ दहिनवामकनधनूननधनिश्चकुनमात्रदर्पवाताप
हाभा॥ ॥ ऊगतनपात्रनाथपुमादितरुदयाश्चरिमकुसुखवत्ररुलपुदाता॥ २८

१५

गोमहेश्वरनाथ॥ १७८॥ १७८॥ १७८॥

१॥ नाग॥ कनदि॥ श्रीमहेश्वरनाथवर्ममहाविमलविजयाश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
नमामिश्रीमहेश्वरनाथश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
गुम्नायाश्चैव धर्मधुस्तनन॥ पात्रमपुत्रलैकता॥ ॥ उहासनाथ उहास
निमज्जनायाश्चैव सर्वनाथवि॥ अमदपतिरुतिमज्जना॥ ३६॥ नाग॥ मनादा १७८
उकवदननलमकूटआलैक॥ ताश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
नमामिमहेश्वरनाथश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
पतिवामश्रीमहाकालाश्चैव गलमपुलमाप्यपुल्लिगसिद्धता॥ ॥ दहिनागनाथ
॥ दहिनागनाथविषय

१॥ नाग॥ कनदि॥ १७८॥ १७८॥ १७८॥

वियापिताश्चैव रुध्रधनीनाथविमलविजयाश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
नमामिमहेश्वरनाथश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
गुम्नायाश्चैव धर्मधुस्तनन॥ पात्रमपुत्रलैकता॥ ॥ उहासनाथ उहास
निमज्जनायाश्चैव सर्वनाथवि॥ अमदपतिरुतिमज्जना॥ ३६॥ नाग॥ मनादा १७८
उकवदननलमकूटआलैक॥ ताश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
नमामिमहेश्वरनाथश्चैव उहासखरुध्रधनीनागवासदहचुन॥ ७॥
पतिवामश्रीमहाकालाश्चैव गलमपुलमाप्यपुल्लिगसिद्धता॥ ॥ दहिनागनाथ
॥ दहिनागनाथविषय

६कमलविकसिता ४१

खिलमयनालन॥ ४१ ॥ जाग॥ निवद॥ कमलविकानित, थिहिरासुनकसूदप्रिमवर्गुमसद
 हाश्वउगवदनकवलमदलपयनृत्यथमपुकाजिता॥ ४२ ॥ नमोमिश्रमसूतीसकलगु
 तमायसूनीगुमृशकमहिदरु
 पथमकत्रदयवजयमधनम
 यहातर्कधवउथरेवमसय
 सापठउर्थवामधनपूस्काश्मत्वमकृतीपुल्लितकिंविय, घटमध्वसूदविंदना॥ ४३ ॥
 निवृद्धिवृद्धिहामिश्रमिथुलामिजासर्वहृहानविंदसागाश्चकृमनतामनतागतपनमानंद

九

५ नमो हि २ मेरु वज्ज ॥

जन्मन॥ ४२॥ नाग॥ हे नवि॥ नमामि शर्मरुवजस्य सूर्यासनविश्वविराट्पद्माशयं वृद्धात्म
कमुपवकुपघ्नतृणध्वजमर्षवमान॥ ५॥ मनाहूँ हूँ ममै सकलविद्याधिप कनूत्तामयम्
भूतिस्तनप्रभातसूहिता॥ ॥ नमो मिश्रवागीश्वररावालोचनहिमर्वडासनाश्मदातिंगी
कदयकुजनवजवजयन्ताका मात॥ ॥ नमामि शर्मरुमात्रामूढाषठरूपिन
लाहनाशनानात्ररूपितदहा मनुविधिकमनास्त्वयान्॥ ॥ नमामि शक्तिव
नधनसर्वसाकार्यकान्तारुहान्तमार्गसदापाहुँडे लाक्केकऊगरुतमा॥ ॥ नमामि श
वीवजसत्त्वजन्मजन्महुँडरोमताश्मकगुग्गुवनलेलावपुःशदहिमकत्वञ्जूनगाया॥ ४३॥



सकलवृत्तन॥ ५५

नाग॥ ना॥ सकलवृत्तनगुणवजसत्सुपं॥ सर्वांलंकारं॥ मनुलसमूहव॥ ५॥ दवी
गीनूपदनीसाहकलासुखाह॥ २॥ अन्ननवादिनातार्थवीजसुखन॥ ॥ अदाविस्मयाधर्म
दाविस्मयावागी॥ अदाविस्म
रुडार्थअदासुनकसंम॥ २॥
अदानाद्यं समायूक अदागी
समावह॥ ४४ ॥ नाग॥ वसक॥ मधुनियुनिपूनाइ॥ निरुनाला॥ सकलदवदत्तव
टिरुवाट॥ ५॥ मेगीआदिवृद्धगीमश्रुमा॥ ना॥ अविवधामिपद्यनृयवना॥ ॥

१२

सकलवृत्तन॥ ५५

कंदमनूयिनासुत्रवित्रविषमा॥ २॥ न्यागंहीनकनूतविदागा॥ ॥ विषयविषमाकूगूपा
नंगमनसु॥ २॥ विषयविषाविरुनिर्वगुनूस्वमरु॥ ॥ सकलगुनूपनमाविंदआनाध॥ २॥
गावकिरुवगीरुपर्ववदलि
नामगुलकाटिका॥ थकाभाद
सुविरुकरदवा॥ ५॥ ॥ उंकात्रमगुललाहृत्रितंनयागिनीवृदयात्र॥ २॥ वरुधालय
त्रिक॥ पुआलिगतवाहसकलमाज्या॥ ॥ पूर्ववकुविहीयात्रदकितनत्रविहृत्रि
यात्र॥ पश्चिमपद्यपुकासुत्र॥ उरुमखरुधत्रियात्र॥ ॥ संपूटयागरुमाठात्रिजिय

नमामि शक्ति नयने ॥ ५३

॥ कर्मणि यमश्च कायका कश्चिन्मनुललाहृन्निभमगमनकूटडियान ॥ ॥ नृपसूत्रपुर्ग
धस्यर्ममसुमिमिलियाधर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा
यि ॥ ४७ ॥ माग ॥ **नार** ॥ नमामि शक्ति नयने धर्मधुहायिश्चिउवनमनूरुनधर्मधु
वागीश्वर ॥ **५** ॥ नमामि शक्ति नयने धर्मधुहायिश्चिउवनमनूरुनधर्मधु
रवमाया ॥ ॥ स्वर्गसम्भवाकाः ॥ ननुवनगीकाधारुकश्चउतिर्नजनमहासू
निधमा ॥ ॥ धर्मगीमिहृहानचरिमिहृश्नपात्रमनुलमाज्यसूमासूमी ॥ ॥ वाम
पुरुकधनधमाश्चदहिनरुपूखकृगनधमी ॥ ॥ श्रीलाकन्यनमनुलमहासूखमाया

२०

५४ नमस्तुते ॥ २ वामपयने ॥ ५४

श्माजाधिमज्जीनमंडमनूदव ॥ ॥ श्रीवजाचार्यवैधूदरुमाचार्यश्चनयिवाकवडहिः
लावनिना ॥ ४९ ॥ माग ॥ **गुञ्जलि** ॥ उममरुमलनीलितरुनूखलाश्चुनीलयेतिपिंग
लकमा ॥ **५** ॥ जगदनुर्कपेक्षिपागुलदवीश्चइसूमात्रविष्प्रविनातिदवी ॥ ॥ नकुन
यनाहिसिनुडमालाश्चरुकन
पश्चर्वलगादलनवाजाका ॥ ॥ टिकयालनीसला ॥ ॥ वापुधर्मवसुपुत्यानि
वज्रवनीरगीता ॥ ४८ ॥ माग ॥ **ग्वडगिनि** ॥ वामपयनधनदहिनकनटिश्पायनच
नरुलउममूनुमागा ॥ **५** ॥ दवीनाचयिउकज्जीवज्यागिनीश्चिनीनकुदवीहिउव

॥ ५२ ॥

मयमिसं॥ ॥कानमृत्युदयिपाकानवंधिया नरनागद्वयमाह कनटिनदुदीता॥ ॥
कुलसुखदवीनिर्गजनदधुशून्यपाकदवीनून्युत्सलव॥ ॥नृसिंहनामनामा
कनूतदवीशमाकमार्गदवीतिउवनजननी॥ ४८ ॥जाग॥**विनाम॥**द्विहुजुजकम
खनकवदनशनग्रमकूटः कलीतिलावनी॥ ५॥नमादवीवृद्धयकि
नीविग्वजननीशखिउवनवा पिनीजिनहनदायनी॥ ॥दहितकनव
जविनातिरुदधुकिश्वामकनाटकवहुमानकविवयी॥ ॥रुनतिमकुलमा
म्यडादियागमनशनलपूत्रवसरपुत्रजिना॥ ॥वीविद्याधनीदवीसूजननमहि

२१

॥ ५३ ॥

ताशनकलअद्विसिद्धिदहिममाता॥ ५० ॥जाग॥**कनदि॥**नकवर्तुददद्विहुजुचर
काग्याशनग्रमकूटकनातिलावना॥ ५॥नमादवीविद्याधनी,तिदनामयवापिनाश
अद्विसिद्धिदायनीजगनकु
शविद्विउपूषामालाकनया धनी॥ ॥दहितजातिनीवामपाउधनी
तीशनानानलालंकनपूत्रय धनी॥ ॥रुनमकुलमाज्यपुहालनूपिश
जदवीचनलमानननम॥ ५१ ॥जाग॥**राम॥**तिदलकमलवर्तुकसंसयनग
मधूकनरुनूवनीनाशवीविनूपाकुरवकमुखदवीमदनपात्रयवापिना॥ ५॥नमा

नमिने

छिदलपशापनि ॥ ५२

मित्रीनेमात्मादवी छिदुवनमाता तनुनादवी श्रीमृगहृदी २ सयमसूना सूत्रवदितवम
ल अनगअद्विसिद्धिवनपुसादा ॥ ॥ नंदनवनमिववदुनकननवन अनगदसूना
लिजातवदन २ नित्योर्गभवागमति कीम अनगतिभसूना कुरुवद ॥ ॥ अष्ट
हेनव अष्टमागिनी अनगसूना मरुतुपात्र २ अष्टमदाहयड निरतिनवा
नूती अनगविप्रतिवागती ॥ ॥ विन्धविदापिरता नूतीदवी अष्टयनिर्न
ऊनजातिमय २ अहिमरुसुखरुलदायनीदवी ऊनऊनमु अष्टपीयदीवता ॥ ॥ ५२ ॥
२ माग ॥ मन्त्रा लधनायी ॥ छिदलपशापनी सर्वहृदयगमिमनुला २ अष्टकाववीऊसंजा

२२

वज्रिवागी ॥ ५३

नहुषूर्वमसयति ॥ ५ ॥ नमामित्रीनेमात्मादवी छिदुवनसूत्रननपूजिता २ अष्टमदा
हयड निरदुननअद्विसिद्धिवनपुसादा ॥ ॥ उकवदन छितयनिसिनेस पंचकपाल
धना २ कामखदीगकमलपाश दहिनेकवटिधना ॥ ॥ पंचकमूडारुषित
अष्टगोवनममृगमाला २ लाल जिह्वमदाहीमानवनसूनाकसमूदिता ॥
सकगुनवनलनिगसभा निगावदिमन्त्रवडा २ श्रीवज्रदवीवनलऊनऊनममागुनी
नता ॥ ॥ ५२ ॥ माग ॥ मालव ॥ वज्रियात्रिओत्रीवतागी यशुत्रीदवी २ सिंघिनीघीघिनीऊ
वूकउलकिनी ॥ ५ ॥ नमामित्रीनेमात्मादवी छिदुवनसूत्रननपूजिता २ अष्टमदा

जिनवज्जुननी॥ ५५

यिस॥ ॥ पूर्वउरुनपचिमदक्षिणदिगदवीशुक्तिनीहीयिनिउसिकवाऊनी॥ ॥
उरुदिगउक्कुरुलनउदवीशुक्तिनउदवीनाउरुहनुकउक्कदवी॥ ॥ दनिहनु
वक्कुरुउरुसुनगलेशवाउगदवीसमनसंराव॥ ५४॥ २नाग॥ **वसक**॥ जिनवज्जु
ऊननीपुणवमगमलेशविनाम॥ यिसमनसदंदाअलिंगत्ता॥ **५**॥ निमसुहसु २३
माननयनीगमसंपूर्णेशमाअम॥ लिंगलअतंदनयन॥ ॥ वापयिसंरागसु
यत्रधियन२नागविनागदयिसाम्प्रतिपत्ती॥ ॥ अवज्जुलिहसंयागविमुखनाशसु
नननपुमुखदंदाअलिंगत्ता॥ ॥ दहदिहउवनवीयागमन२पुलमामिहसंय

गजमुख॥ ५५

नीअलिंगत्ता॥ ५५॥ २नाग॥ **धराप्री**॥ गजमुखजिनयनतांदवपत्रवनतृत्ताधियतिगु
लधवा२मतिमुक्कनत्ताहनुलतत्रुलिकिजलसंकासा॥ **५**॥ मानियाविपुमानियादव
मानियाइश्वविनामनेशमाजि॥ कामाजमानसंजासामत्रवपर्मइश्वनामिता
पत्रगुवातांकनवज्जुखअलि॥ पुणमदहितकमा२मसुलधनूरवद्वीगप
पत्रकनटिवाम॥ ॥ विविउवमुकंयु कतिवमाऊययूकमलिमपुता२लंवातल
तलधुतलंवादलसागवायलमिलिमिलिवाऊक॥ ॥ गत्तातलधुतनत्ताजालि
ता, मुखिकमुखअतिसंदमा२दितादत्तासमसुखकाता नमासु२गत्ताधियति॥ ५५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५६ ॥

वाग ॥ **ममक** ॥ जि न व न रु न य न रु व न ग्री क न न नि वा स नि नि न म य म ति ना २ न पा ल
म तु ल मा म्प म नि रु क कि न (त) उ ग रु म तु ल मा म्प म ति ना ॥ ५७ ॥ जि वा ग नि गं धि या न
म व ता न य न द व पु त मा मि व म ला क न्ध न द व २ सि द्धा या गि नी व न्ध द रु प नि कु र्म मा या २
उ व न पु ति वृ ज म ति न न द द व ॥ ॥ मा ति क म ल न वि न नि द रु वा धि या न वा
म क म ल ध न द्वा (थ) २ रु द्ध म म न रु ना ग व द्वा मि दु ड ४ रु रु य रु न ता ॥ ॥
है है है रु ग ति का या रु ग व ति न मा मि शी वृ ग म ला क न्ध न द व २ न मा मि २ ग्री न न रु म न
द व रु र्ग म ध्वा या ता न द व ॥ ॥ द रु मि द्वा ति ग रु ल रु ती मा या रु ग रु ना थ म्प रु य दा ता

२४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५७ ॥

२ वी म्प मि ता रु व नि र्ग रु ध रि या ग्री ला क न्ध न द व ता ग ति ॥ ५८ ॥ वा ग ॥ **मा** ॥ र्प व क
पा मा ध्वा वि त मी वि र्प व हा न र्प व म्प द रु म ता २ न न गि ल मा ला ग्री व मा ता या पु व र्म क ति
रु पि रु म म ता ॥ ५९ ॥ है है है का म र्म जा रु व द ना प र्व ल वा द ल नी य म म द रु का
ध वि प ग्री म र्म का ला २ र्प वा म्प रु म म द र्प ना रा य न रु क क पा न ध मा ॥ ॥ न
क प ता मा ति ति न य ना या ल रु र्प क न री ष म व द ना २ उ र्ध्व पु रु लि ता र्पि ग रु क
ता उ न म रु रु मा क रु ता म य ॥ ॥ क न टि क पा ला ध्वा नि न रु द्वा म्प ना ग रु य ना ग वृ तु ल
दा ना २ ना ग गि ल सि धा नो पु न मा म्प म्प रु ना म्प रु न ल रु म ता ॥ ॥ जि न व न मी ग्री धा नि

पुर्ववक्ताय नमः ॥ ५८

नमतावद्दसाह नमो नरककवीना २ पुता मूरा तांद वरा वा साखर कलिभा जतूरु जलमला ॥
॥ ५८ ॥ भाग ॥ **हे मवी** ॥ पूर्ववक्ताय तीहं स मा गूरा कनकवर्ण अरुतु धामी २ उरु म मा ह
न्य ग्री वृष वादा न वंद धव म वि मूल पाठ धामी ॥ ॥ हे हे अरु म मा न निम
वा म सहिता अरु हे म व ग ल पति सहिता २ अरु म वि अ नू र म मा क पु वा २ ग
ता म म म नित्य पाप वि च ना ल न ॥ ॥ पश्चिम म् उ य ती ह सी वा दा न क व र्ण व क ह
रु २ द कि ले वा मा ही य न याल मू पी अ क ह रु म हि वा स न ॥ ॥ श्री मा न व र्णिका द
वी धू म व र्ण क टि द धु व ना न उ म म सहिता २ अ (म दिनी का मा मी म य म वा दा न म क मा ता

२५

अतिनामवर्ण ॥ ५९

वर्णमकि धामी ॥ ॥ ने म त्य वे वृ वी ग मू उ वा दा न ग ज व क सहिता म य म धा मी २ वा य व वा
मू उ द वी क का न व र्ण सिं द वा दा न र व क धामी ॥ ॥ अरु क ल ना ग नि म या ति पा दि त क
उ पा य न व र्ण द वी २ पु त मा मि आ वा धि या न उ गु ति मू गु ति य क सि धि रु ल
द ॥ ५९ ॥ भाग ॥ **का मा ५** ॥ अ ति नी ल व र्ण मू धि मा दा न म य मा न न प र स
द ह २ मो ड रु या न क वी ० च र्ण अरु म मा म म दा का ध मा र्ज ॥ ॥ हे हे का ले याल पु व
उ मा रु का ग ल य नि व र्ण २ स य क म ल वा म विं ड द्वि ती य न र व रु य व र्म ॥ ॥ उ य ल डि
मूल व क्ता म् ना ग डि ना र्ज र वि यं २ क न व कू ड हा क ग ल न क म् भू उ र्ध क री ॥ ॥

निज उव ॥ ३०

तितीनउंसीषमवदनंमालिंगतसमूहंधंसनकमती२॥थादलसुलासाहितांगनमा
माराहसमिपुर्त॥ ॥रुक्मानपतिमंआसायुगवांविताथेवमदयं२ऊमऊमसह
ऊजीरुंमर्वचमलममलसदापुतामं॥ ५० ॥२माग॥**मालव**॥निजउवमवधुवदन
वनाया२वीदरुगमनयागिनीयमिस॥**५१**॥आनंदादिदवाबुलिमान
दादिदवा२यमितावयीरुमवमनसासंपूर्ण॥॥पूकसिकाहिंरुवम
निजंकलहमूव२मवलिअनकाकिपिवसिसंताय॥॥पीडाडियातदलयिव
डा२गीतअनकाकिलकिवाऊक॥॥आलिकालिइयिपादधमक२डिदकि क

२५

कवन ॥ ५१ ॥ ५२

मलकलिनवाऊक॥॥पयिसयिदंविनिअद्ययसंया॥ग२७उयागिनीमंगलगी
क॥॥यस्यमियात्रिबोलीवताली२लपनचउसमहमूववाजा॥ ५१ ॥माग॥**ना**
ट॥कवनमूपलाकन्यमकवनमूपदूह२अखयनिमऊनसयानविगुद्धि॥**५२**॥
नाययिमवधुवकानकमान॥२खदोगउममूगीवनमनिलमाला॥॥अ
लस्यनिमंजनअरुलविदना२अमूलमधनगतिसयानविगुद्धि॥॥कडवालह
उवजकंकडवालनीला२अवधुवकाङ्कगतिगरुनडा॥॥रुलरुलरुलदमहम
मसूयंडा२तितीउवननाथउकसंवमया॥ ५२ ॥माग॥**नार**॥सकलजगदगु

२२॥ ५॥ २॥ ३॥

नृसुसुत्रवीना २ अत्र नृपमक नृतक मीत सुखविहा ॥ ५॥ ॥ सुसुत्रसुसुत्रनृसुसुत्रावैर
विविधिविकल्पविनाशन नृदा ॥ ॥ दवीनामादी उक्तमपि नृददा २ नृवरुयदहन
विनाशनविहा ॥ ॥ सक
वासन नृदा ॥ ॥ हाया हाय
सुखविहा ॥ ५२ ॥ नाग ॥ का माद ॥ हं वीज सैरुवरुय सुमददा नव नृसदा हिं रतल क
तधना २ ददा ददा उजा वदवदन ददा ददा वदुल नृक नृक ॥ ५॥ ॥ नमामि श्री विवकं ग्व
मानरुवरुयदहन ॥ ॥ वदुन विं नृति पी १० नृम नृपं यु विमं विमवी नृम नृम २ वदु

२३॥ ५॥ २॥ ३॥

पवि विहा
नृवकुपदकि नृदवी सैपूक प हलिकहिना ॥ ॥ पहा सैपूक अलिकालि पदा कुंता
अतिसू दमा २ ददा ददा दवी उक्त हावा नमामि श्री वदु सैवन नाया ॥ ॥ सतगु नृव नृसिल
सैवार्थ नृनयिगीत पी कुलिना ॥ ॥ २ दान पति नृमना हर्ष सय सतुल आनाधि
ता ॥ ५४ ॥ नाग ॥ नाट ॥ सहज
वी विनामा ॥ ५॥ ॥ सुं जयि नृमदा नृसगु कति धक २ व मल कुलिना सैयाग सैतवा ॥ ॥
हान नृपिती दवी विव्या पिनी २ डि दी कि नृवना मदा सुखदाता ॥ ॥ उर्वाटा पद
नादि नृधिया पद १ पा र विंदु नृसमदा सुखदाता ॥ ॥ गुनृप नृद अ नृरु नृक्रिया २
वदु ५

अथीजसूरव॥ २६३५५

दक्षिममाकासंसा न समुद्रं ॥ ३५ ॥ आगा॥ काभाउ॥ अंवीजसूरवकूवृवृददाहातिंनकल
 कृतधनाश्चामकुजघषमखर्वागदहिनकनटिधना॥ ५॥ नमामिगीनेमासादवीश्मा
 नरुवरुयदुनती॥ ॥ वहुनविमकिपी०००मीमूवीचकवदनजिनकुधाय२पयकमुडा
 रुषिकर्मे०गीवीवनेनमिलमा॥ ॥ ॥ लंदवदवीमिमिलमाम्पसून २६
 ननवदितवमर्त२दवीयागिः॥ नीचकरावातमामिजिपयगुध्वमी॥ ॥
 गीवजदवीपमाददानपतिममनाहर्ष२सकगुमूवम॥ तमिनसंधाय२रुनयिनत्रवज
 कलिमा॥ ३५ ॥ आगा॥ नृमात्रमाला॥ द्विहुकुचकमूखनिमवर्धनविममिलमाः

अथविभवजमूर्ध्ववंडक्यामकूटधमाहाउमरुनलसु॥ ५॥ ॥ गनाहृदं२क
 नाकहृदं२॥ ॥ वजवाहाहिमालिगलसुवनकुजद्वयनवजघनृधमाश्चालिहृम
 वपादरुनलदिगीविदिगीकाकाआदिममजकिनीदवी॥ ॥ गीवजदवीचमलप
 मादसकगुननिर्गगनधमी॥ याश्मवकिनत्रवजकलिमाऊमऊमगीस
 वनहीनमा॥ ३५ ॥ २आगा॥ ध॥ नागी॥ लवाकाकामदासुखरुनवउआनंद
 ददायी२डिहुवनरुलयीमदासुखमायावंडसूर्यइयिमनीया॥ ५॥ नपापनिनपूध
 नमिमा॥ डिहुवनउकसुनूपि२सर्वविकल्पविधिसनीदगीअनूरुनहानवमदायती॥

२१५५५५५

२५॥ विष्णुसिद्धिः ॥ ५८

मृमिताहममुलउदयाप्रथिनि कल्यानलसिन्धुधयीश्चकमटिकपालखर्दगभाजेषह
हानवमदायती॥ ॥ दिगंयममदकतीवक्रिकुलकविधुधामीश्चकमखलपा
यनधामीयीवननमिलमाला॥ ॥ सर्वतथागतजननीदवी विनाहितलावअवाव
शीवजयागिनीवननसिल
माग॥ **का** ॥ विष्णुसिद्धिः ॥ ५८ ॥ गतधनियागभवकिसमनसैवजा॥ ५८ ॥
नकधर्मादयावापिया दवीमूककनीतीदिगंयमा॥ **ध** ॥ पुतमामिवाधुमीशीवजया
गिनीअनूरुनवाधियदायती॥ ॥ द्विउजउकमूखहितीमावनालादिकवर्षपक

२८

२५॥ विष्णुसिद्धिः ॥ ५८

लिताश्चिउवनयापिनीदहिनकर्हिधामीमर्जपूमीककपालगामधामी॥ ॥ चक्रि
ककुलकविधुधामीहाथमावकविरुषितीश्चनलनोपूनकटियमखलाननमिलमा
वाविरुषिता॥ ॥ विश्वजन
मीश्चहजानंदस्वमूषितीद
वी॥ हाखनखमूहवजविरुनधर्मादयापनिमकुलश्चकगममनादनमकुलव
जभउहियकमलवन॥ **ध** ॥ दहलावकुनरुदयकमलधियवकुलश्चमहिमिद्धि
वनविप्रविनाशनहायिमहामूडासिद्धिन॥ ॥ आदिवृद्धहियशनधनमकुलवि

२ नमामि२ तिनक्षत्रु॥ १०

[illegible]

30

उत्तुवनऊनतीश्वर्यमानूवनाहसुनगमिती॥ ५ ॥ नमामिमामिषीद ३

[illegible]

२ क न क व शू ॥ ११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७३ ॥

[illegible]

२६ विनि॥ २६ गमयात्॥ १५

लिकनूतहिया२ऊन्मऊन्ममाभुहुंरुपायहात्रतगावक्रियमौदिवजगीता॥ १३॥ मा
ग॥ **चउ गिवा**॥ ह्विमिनितनवनविनासयिकयिसा२उथरुमाडाभगुलनाया॥ **क**॥ उऊँका
प्रहमत्रऊगरुनिर्वासियात्र॥ ॥ अमियअमियनित्रऊनदल२सदऊसंदत्रिया
किनरुत्रपयिस॥ ॥ **चवड**॥ यागिताउत्रमने२वडावाभादीआलिगत
कात्र॥ ॥ **उ० रुमाडाक मू**॥ लकवाल्लि२ऊर्यऊर्यआलिगतनिलवरू
वारि॥ १४॥ मागा॥ **सेव वि**॥ वंडमभानमिलसवृकावानुकितामागकिंकमघा२
गहनमभानअथकवृजायूनिकमघारुकरुकागा॥ **क**॥ ॥ इयमऊलयकरुन

32

[illegible]

२ धर्मगमिनि ॥ २ अखयनिर्दिष्ट न ॥ १५.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १८

वार्त ॥ ॥ पात्रवृद्धिनिर्जदहसर्तविदुवकुर्देष्टाकलात्रवदनैश्यायुधर्मनिवासन
नममपुमासा अत्रिवर्तिरवादनसिद्धिरुलद ॥ ॥ गभवन्ति सूनरवजगुनूकत्वधामन
दृष्टावनाशनसाभक्तवैराग्यवृद्धधर्मसासनसै यपत्रिभक्तकीमहाकालगतवया
दशमती ॥ १८ ॥ भाग ॥ कनदि ॥ श्रीद्वजनेमासादवीहिमुवननाथाश्वध ॥ ३४
जिन्यापितयववर्द्धदहा ॥ ५ ॥ नमामि श्रीगणेशाय गवैत्यश्वनूकवीगुक्त
न्यमीवजयागिनीमूयता ॥ ॥ पूर्वदिगसिद्धरुनवनीलवर्द्धदहिनवाधुधमीः
वामविंदधमा ॥ ॥ यस्मिन्नीचोमीयगिनीदवीशभवन्तिनिगवजहंकानसैवजा

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १९

॥ ८० ॥ भाग ॥ तमावत्रि ॥ दिनमलिमधुलवजाक ॥ २ ॥ नदीदिर्गवमा ॥ ५ ॥ नमा
मित्रीविद्याधनिदवीश्वनगअद्विसिद्धिवलयसादा ॥ ॥ दहिनहिद्वनवाससूक्तिश्वि
विहृपुष्पमालारुर्लजलि ॥ ॥ मकूटकभनेदिगभकाकि ॥ ३ ॥ उक्तदवीजगत
ऊनती ॥ ॥ श्रीवृद्धजकिनीः ॥ यामिनीमधिरुसिर्वाधिका ॥ २ ॥ गभवन्ति सूनर
वजसैगलगीता ॥ ८१ ॥ भाग ॥ नाट ॥ उदयानिभितरुनगतिमकासा ॥ २ ॥ कलिगकमा
टकधमीकदवी ॥ ५ ॥ मकूटकतीहितीलावनीदवी ॥ ३ ॥ उक्तदवीलाकनविद्याधनिद
वी ॥ ॥ आलालिकवजउदयानथितिमनूयदकितीदिनमाठी ॥ २ ॥ जगतनवीहि

तपनिपूजित॥ उक्तदवीमादितविधाधमिदवी॥ ॥ शगुतिभरुदलगतिर्संविमिखनवि
 छिउदकाखनसूखमकाशसंदागकमगागृष्टिसकनता॥ उक्तदवीग्रहमविविधाधमी
 दवी॥ ॥ स्वर्गमध्यापानजिउवनचक्र उक्तदवीग्रहसर्वदवदराश्लंजातिउदया
 नसर्वदवदरा॥ उक्तदवीका॥ सूत्रविधाधमीदवी॥ ॥ स्वर्गमध्यापानचक्र
 कुनिताकलिकतामस्तुतिमिर्न॥ सर्वसत्वनष्टश्लंजमिभित्तिकनसर्वसत्वन
 नष्ट॥ उक्तदवीदिवाकनविधाधमीदवी॥ ॥ स्वर्गदवी॥ सुखपुष्टिपुष्टिपुष्टिपुष्टिपुष्टिपुष्टि
 वीरुदिनमूननस्यदवीशदवलियापिठिगुणउपदला॥ उक्तदवीमविमिगिविधाः

२१

धमीदवी॥ ८२ ॥ जाग॥ ललित॥ जयविद्याककहंकाजसंजातशराजमुखगलपतिआ
 लिंगिता॥ ॥ नमामिभक्तमुखकाधमायाश्लयकनीलवर्णपिंगलकला॥ ॥ षट्
 उक्तदहितकमटिभूक्तमनूश्वामपाहुपाशखर्दीगधमी॥ ॥ मूढमालव्यापुत्र
 मर्लवादलमायाशदनदिगः॥ मानविधिसनदव॥ ॥ अद्विमिद्विवलवि
 प्रविनाशनशमवक्तिहंकाज॥ सर्वजगीता॥ ८३ ॥ जाग॥ मृगममालसि॥
 वाउमउक्तचक्रवकुठिनकुशनीलवर्णवकुपादपिंगलकला॥ ॥ कनाहं॥ कना
 ककहं॥ ॥ दहितपयनकासपाहुआविरपदीशहनिहमवुक्त॥ उक्तदमा॥

उपविष्टोक्त॥ ८३ ॥ जाग॥ मृगममालसि॥ ८३

२ वरुणाग्निनी॥ २ वरुणमयस्त्वग्नि॥ ८५

कुरुवर्षद्वि कुजहिसिलायता २ दहिनक नटिवा मखद्योग पाई ॥ ॥ नमो हूँ २ श्री दत्तजीने
 नात्मा देवी २ संत गुं मूख नत जिन सिद्धि गीता ॥ ८४ ॥ नाग ॥ **मानसि** ॥ वज्र बागिनी दत्त
 वनाया २ कि कुवन दहि मया ॥ **एतवमी** ॥ **५** ॥ पीवयिन मदन मम दारु
 खरु नयीया २ वज्र देवी रुली ॥ या अतुल न हान ॥ ॥ उद्ध नानी हि दलः ॥ ३५
 कमल सैया २ दहि विना सा पवन सीर दयी ॥ ॥ कुज्जु यिन पंच मदा सुख शर्व
 निल सवी जवा मूला ॥ ॥ संत गुं पसा दव दुर्था हि धक २ पास्त न्वमी सै सा न स
 मूड ॥ ८५ ॥ नाग ॥ **मधुमक** ॥ काल ॥ **इर्जमान** ॥ वज्र मय रुमि विष्णु धय मवुल म
 चनन
 कन विद्या

दनीवडीरुववजवधहं२हं२२सपममाकनरुमितिवासितामात्रसयनसंजामक
नी॥५॥संरुतिर्संरुतिहं२हं२गृह२हं२हं२गृहपय२हं२हं२आनयदाह
गवतविद्यामाहहं२हं२खदये२आलिखदम॥॥दाककनाजिकत्रिकितउ
द्विगयवडापाकात्रहं२हं२॥॥अदिगपालपमायकनसर्वविक्रकख्य
उम॥॥गगतनिमाववधः॥॥कलिगविनामयवडाविकानहं२हं२खदये
ऊलहं॥कलिगगिपसनेऊलजोसंकां॥॥उदकिमपुलमायविमन्धनसर्वस
लहियापुमादकन२सकगुनूआहसिलंगकधमियाहनयिलिलावजवैजंरुमि

असिद्ध ॥ ८५

आधम ॥ ८५ ॥ जाग ॥ हे मवि ॥ असिद्ध पागधुन हं कामा रुव मात्र निपुण दन अत्र लवी
म २ सु मयि अत्र नरु म हा को ध माया अलिय विष्णु म मूरु म ॥ ५ ॥ हं ता र खं द ये सर्व इ
न कीलय हं रुट पा प ह न हं ॥ व ड कीलय उ क ल वि न आ हा काय वा क वि
रु कीलय कि २ पी रं पु वी न आ ॥ मा धि या ने अ न र म सिद्धि प द मा रु ल द ॥ २१
॥ पूर्व न्ध ता चल म हा वी न र्द दं ॥ व र्ण का ध न र्प २ उ मा व त्ता मू र स ह सु न म न द
वा धि प ति ग त ज्ञा स य कि ॥ ॥ द कि (त पी ता चल म हा वी न क न क व र्ण क नू ही म नू र्व २
म हि षा स न म हा मो ड नी ल व र्ण ध न इ ह प र मा ट् म ह य र्द ॥ ॥ प शि म न क चल म हा

२१

वी न न रू व र्ण र व रु पा ल ध र्म २ म क ला स न सि द्ध मि त द ह आ वा धि प ति ग त की ल य कि
॥ ॥ उ रु न न्ध मा चल म हा का ध न्ध म व र्ण क नू वि क ट नू र्व २ उ न ग स न सृ पी त व र्ण
स रु मा ट् ग ल र्ज य कि ॥ ॥ द रु न व न का (त द वी मा ह व डी र्द दं इ व र्ण क र्हि पा उ ध
मी २ सु ग स न म हा नू डी पु व ॥ ध मी द रु न धि प ति ग त की ल य कि ॥ ॥
ने अ त्य का (त द वी पि तु न व डी ॥ क न क व र्ण क नू या ल नू पी २ न मा स न म हा ही
मा र व रु पा ल प ना क र्व ला धि प ति म र्द य कि ॥ ॥ वा य व्वा का (त द वी मा ग व डी मा हि त
व र्ण क र्हि पा उ ध मी २ सु ग स न वा य प ना का ध न स स न धि प ति की ल य कि ॥ ॥

८७

नवमका लदवी ॐ मावडी भामवर्तुन नकाधवदनी २ वृषासन तिनयन तिनूलधारी
ताधिपति सदा ॥ ॥ दहिन नयन उर्द्ध दमि नवतु मावली सव वक्रा तु पात्रयति २ व
क्रा मदिन निगुद अरु सयन ॥ खवत्रिमात्र गत स मूर्तिता ॥ ॥ वामा रुद
निवास नयन वतु मावली स ॥ कम सा रुत पात्रयति २ पृथिवी असूत्र गत
लापता गादि सयनी रुव त्रिमात्र गत गत कर ॥ ॥ दहदिद दाह हं काम सैरु व
पुत मा मिथी वतु मदा नावली २ आसा पत्रि पूत्र न दान पति म सव विप्र निवा न व सिद्धि
रु लदी ॥ ८७ ॥ मागा ॥ **रुत्रवि** ॥ ॐ खवज धरु वज हं कामाल कालिमा त्रिप्राय

३८

पूर्वशक्त पूर्वसूत्र म पनं हनो नयन निपुण ॥ यात्र नृपा प्रवक्ष्ये मासा ॥ ८८ ॥

पियान २ रु लयि मून नमदा काधन अस्थिय विप्र समूद्र ॥ ॥ पय पाटय २ स
वर्द्धन कीलय हं रुत पाप रुन २ उ वज कीलय वजधन आहा काय वाक विरु कीले
यनि २ श्री वज सल आ मोधिया ॥ न मून रुत सिद्धि पद मा रु रु लदी ॥ १ ॥
पूर्वादि वात्र का कानना नहिना ॥ नाज युति पाल नृपा २ व ॥ भुगरी वली २ म
नामा न व वाधिपति गत कीलय नि ॥ ॥ उरु नदि गदा न उलूकानना न भामव
वृत्त नू ही मनयन २ ओ उ गद न महा भना नात्रय काधिपति गत कीलय नि ॥ ॥ प
निमदि गदा न न्वा मानना न सिंधू नू लत नू विकट नृपा २ का लो कूल मदा भना ना
उरु नय रु नाय नत्त थानी स्या मेव रुका महा डि तिन नृपा व उ नृका स्थान मा मिदी ॥ २ ॥ २ ॥

इति प्रथमोऽपि तनको लोक व्यास विप्र निमिष इति पात्रादना
सिद्धेनाममद्दिनता सुप्रसिद्ध ॥ ५ ॥ ११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

मलीपीता वातुकिनाग वक्रुगरी पलपूतिरुजलदा॥ ४॥ ॐ गतपतिकुमात्रमदाकाल
 कुरुपालयागिनीगता २ मयमां समस्य पञ्चविधपूजनगृह्णतुखादकुपीवकु॥ ॥
 यवर्गजात नदीतलधनद पिप्यलपाद वदुहेनवा २ नूडायली गता न हकनाग
 गह्वरगवात्रय पूतिरुजलः ॥ ॥ तवर्गजात विद्वानवमूला अन्वयः ४०
 कपादप नूनरुहेनवा २०० डाय ॥ ॥ तीर्क म ककारिकनाग हालीकला नाडि
 रुजलदा॥ ॥ यवर्गजात पर्वतसमतल वृहकपाद प कपिलरुहेनवा २ वामादी न
 का पद्मकुडीग कर्ककरुहेनव वसीरुजलदा॥ ॥ कवर्गजात अकवृत्ताकर्कजपाद

[illegible]

गणेश उक्तिर्मातृवत् ॥ २०

॥ ८८ ॥ नाग ॥ **मलाद** ॥ गन्धमधुलमध्वरं कावसे जाता ॥ दि कुज उक मूखी पृथिवी दवी
 ॥ ५ ॥ उक हिमदा दवी पृथिवी माता ॥ सर्वत्र सर्वपूर्णे विरुषिती ॥ पीतवर्णसोम्यनू
 विती दवी ॥ सर्वमरुयंकन लाक सं जावती ॥ ॥ कनेकरुड घट वामक वक्षत्री
 अयक न अरुय लाक सं का ॥ ॥ मती ॥ ॥ दिव्या लंका मरुषि त द द शदा
 न तो पून निधा पव सं धा मा ॥ ॥ २० ॥ नाग ॥ **हे प्रवी** ॥ निर्मातृ मूखी मध्यग
 रुकलगा ॥ पंचामरु मय पत्रियू रिता ॥ विधमय गतिरु पंच पत्रवा मती सर्वत्र न ऊ
 निर्मासि था पि ता ॥ ५ ॥ ॥ हं हं क न इ व जा वार्य मरु वि न्या सि रु क र्म व डी स हि ता ॥ ५

४१

पुविमज ॥ २१ ॥ ग

ग
 हास्य मूषि ती ॥ व ड नि व्या रि मरु पत्रियू रू रु उ ना रु व स म ड न व ल ति मि ल न म ता ॥
 पूर्व दल मैत पंच मूठ स ल जि ता पंच विं न ति रु दि रु वू ध का र्य ॥ द क्ति त द ल ग रु व
 ड त्व स म स मू र्प ति रु व न ॥ ॥ स म व सा पा य वि रु डि ॥ ॥ प त्रि म द ल ग
 त ही र व ला धि ता ध व न व न ल ॥ ॥ सि धि न स रु जि ता ॥ उ रु न द ल ग रु प न
 पा व ता दि ता हा न स मू पि ती वि न्य ड न नी ॥ ॥ मू र्मा दि द ल ग रु व रु वी ता नू ता न
 क र्मा म व रू न ड था पि ता म ॥ पृ ष्ठा विं न्या मि रु वि ध म य पू जि ता पु त मा मि व ड स ल
 मि ल सा धू ता ॥ २१ ॥ नाग ॥ **हे प्रवि** ॥ पु वि म रु रु ग व न म दा मा रु पू न न द म यि अ

२२
२२

नूरुनवाधिवदे २३ नामनलरुयवधनभाउयपनमासुरुमयपनमगुर्न ॥ ५ ॥ उदिवत्स
मदायाननयारुमददिविरामृतपातनक २ दशयिदिरुहमगभउरगुक्रुतथता नू
रुनवाधिवदे ॥ ॥ सर्वरुथागतपूजनयाय, याकयामिमपापकन २ ययुपागदिकी
कपमिवदिरु कमलकुलिम पविशामन ॥ ॥ वूसुमउदकमवुदास
निकमलाजिनकुलसमयावा र्यपदे २ मजाजनवजदपतसत्रकुकददी
वलमतिपुलासुर्न ॥ ॥ नमामि २ गीवकुसर्वनगुनवाकदरुधिया २ सकगुनय
नलकमलपसादमूनरुनसिद्धिपदमाकुरुलदे ॥ २२ ॥ नागा ॥ विरुस ॥ धन २३

४२

२३
२३

धनधनधन २ धानय २ उकिमिल ॥ ५ ॥ वूसु २ वजधर्मसमय २ र्चिआलालिकक नू
वद ॥ ॥ मववजधुकसमय २ कुरु २ यागसुविनवन ॥ ॥ कुगुलि २ ददधन २ मूस
मयकलनिक कमलधन ॥ ॥ वजसूर्यआहावरुमा २ विधर्मयसमयस
दासुमह ॥ ॥ गलधुकवजजि नैकगुकठिका कमलधन ॥ ॥ साग्वंतनिथ
लावधम २ गवतसदकुखलावधन ॥ ॥ उददिकिनजिकसुगरु २ कायनिवधनवा
वकवन ॥ ॥ उंडीपुहाधुकसुगता २ मखलमदिकपतसुख ॥ ॥ हंडरुआदिन
ववतवन २ पुतमामिसुनकवजमिल ॥ २३ ॥ नागा ॥ माला ॥ गामाददिनी २ दयिघ

२५ नमः ॥ २६

जली २ माया विना मयि सदा मुख त्रयिया ॥ ५ ॥ सुखयिया नयायिया सुदुःखमयिया २
सयनविमयलापनिकाव ॥ ॥ गयनमयनविरुविना ॥ ॥ कायवाकविरुचकमि
या ॥ ॥ उकंधावयी आहल यिया २ आवयिअपातिगो ॥ ॥ पादयिअगुमूः
पादपुसाद २ रुतयिवाकवज ॥ ॥ नूनासमाधि ॥ २४ ॥ ज्ञाना ॥ **राम** ॥ यत्रमन
कान्तवरावनरावक २ नवेवि ॥ ॥ गहनैगारुका ॥ मीसनमानितामूठनविह
नवेयुतमादनसावपुविर् ॥ ५ ॥ ॥ गगद्वयमदामानदुःखा २ नवये ॥ नूनासमानद
या ॥ रावनरावकमिठनगुनिहनेगसदुःखविर् ॥ ॥ यनेहुयनेहुवधकि

२३

वर

२६ नमः ॥ २७

लाका २ रुतनेहुतनेहुवधनमूया ॥ लाकासादतिवतिनका ॥ रुतविवर्जितसिद्धिनर्
वैया ॥ ॥ रुसागर्गधनरादननूपा २ नयनसतवचिरुविर् ॥ ॥ प्रमस नन्धस नसयल
विगुधिसरावनडा ॥ ॥ २४ ॥ ॥ ज्ञाना ॥ **ताडि** ॥ सुप्रतिमविभसधुलवर्क २ उडि
रुचुपकाकविकाने ॥ सुप्रः ॥ किनादितुंडमनर्क २ रुदनूवगीतवजन
मनाई ॥ ५ ॥ ॥ पंचवृद्धात्मक ॥ ॥ सर्ववीरुहाय २ पन्थकनाटकविहकदिवी
जाहाहिउकमदासुदनामा २ नृत्यगुगीतवयकनमर्न ॥ ॥ आवकमहायानसिह
रुहिकार्य २ मा नचत्रिधरुतवत्रिवन ॥ ॥ दक्षवत्रिवनवृद्धगु ॥ ॥ सी २ उकनिनादहिक

५४

नयनमवर्द्धं ॥ ॥ गभटसुनिवद्रुपिथिसक (पु) कटददधन ॥ ॥ आत्रिठुरुलनसवा
 लिठुगुष्ठाकटपैयनयुगा ॥ २८ ॥ नाग ॥ **हेत्रवी** ॥ नमहिमधुलमवूममूडा २ ऊनध
 नजोह नउदकविर्वूर्वाडा ॥ ॥ **पुषल** मूनमियलायनगयन २ रुलेपत्रिदासयी
 जिनगुहत्रयन ॥ ॥ क **अध** **त्रि** दियाविषयसर्वजका २ समूडहर्नगजि
 नजकूमनका ॥ ॥ पवनइयि **रु** दियादृष्टिलविया २ कलयिवजानलद
 ददिसदाह ॥ ॥ **सूग** क **रु** निरावयिया नदायिलसाधा २ सूनरवऊरुनयि अत्रिकन
 यवाध ॥ २९ ॥ नाग ॥ **कामाउ** ॥ जियजिहनाथक्यायि नसविपनि २ गच्छुस्वठुवनं

हानहि किं ॥ ५ ॥ स्वधिक न जा ज्ञेय य मूधना २ रु मन हि नाल पां गु मि व क जनी ॥ ॥
 ऊं वृ व न न न न किं वृ वृ किं २ ऊं वृ व न न य वृ वृ द न क ननी ॥ ॥ पृथ य म न जा ऊं वृ
 क न न म य २ रु म रु ज दि वृ वृ ॥ असि व द द स ॥ ॥ उ म ग धि य मि प न य वृ वृ
 वा २ व ध य म व ध य न न क ननी ॥ समि ग स्य ना थ न य ज ग न स्य न २ रु न य वृ मि
 थं वृ ऊं न हि दार्प ॥ ॥ य रु ग न न जा ग द्यु ली का पृ मि २ ना थ रु म व आ हा व ध न क ननी ॥
 नो वृ ग ल न न न व वि प्र क न न कि २ ना थ हा आ य वृ न जि व रुं य री ॥ ॥ अ व ड वृ वृ वृ ना
 थ वृ क्ता य नि नि त्वा २ वृ वृ वृ वि री मि रु गु मि व क न व नी ॥ ॥ वृ वृ वृ ना म ऊं वृ वृ

४५

ध न जा २ द न दि ग सि रु मा न न स न क ननी ॥ वा द्यु लि व न नी वृ ज ग न ध वि या २ ग व र्ति
 कू लि ना यी गी न व मि ता ॥ १०० ॥ मा ग ॥ **हे न वि** ॥ द व दि गी व न ध व न कि न ति ग ज व र्म वि रु
 वि रु ना व यि स म रु ज न य न ध न रु २ रु न व काली मा द ति रु न य व यि पु र मा मि हू हू का
 ना ॥ ५ ॥ ३० रु मा ठा र्म व न क ॥ मू ल म य द द २ रु न म रु न मा मू रु रु न न ॥
 स रु जा ध नू म य जि म म ल म ॥ ल य उ व उ जि व न क प य पं व ह न क न क
 न रु व ड मू द वि प्र वि ना न न पु र मा मि हू हू का ना ॥ ॥ प ल यान न न न जा न हू ल न स रु
 ज गु ल न य जा टि नू पा २ आ न द मू न ति रु न म म न रु रु य ३४ व वि ना न न पु र मा मि हू हू का

२५ दि नी व ॥ १००

१०४

हमूव २ दमा मूका ना ॥ २ ॥ द्विविचंडाली मया कुतु मूतना ॥ ॥ दहिन उम मूकामय द्वा ॥ २ ॥
सूयागिनी मूक दमूव वागी ॥ ॥ वामद्वी दहिन वडागी २ ॥ मा मय विना सखि ह मूव सै ॥ ॥
गाव कि कर्षा ह मूव दा स २ काय वा क विरु द मूव निरु ॥ १०४ ॥ माग ॥ **गुंजलि** ॥ क म क
मा र का वा उ ही उ जा हं स पु क टि
सा ॥ ॥ **धू** ॥ धी म ना य यि २ यी ह म
मा ॥ ॥ उ म्मा वा य यि म य तु म
न मा र्व डा ॥ ॥ उ का य ती मू डा य ती मा हू ॥ ॥ व त्रि व ति उ ह य धा मी २ स्वा मि मा म य प यि धा

४१

१०५

म जी ह मू व मा या ॥ ॥ म नि च र्म कि न क माल की क म नि म गी मा या २ साथ स मू र्जा द ला क ला
मा गा व कि क कू टि प मा या ॥ १०५ ॥ मा ग ॥ **कैजल** ॥ उं म्मा २ हं स रा व मू पा नी ल जी मू र्म सै का
गा २ च र्व ल वा दे ल वि ति न य न
मू मू कि म द्वि सि द्वि व म दा का श क
ता ॥ ॥ त्रि पू रु द या प त्रि पु त्या
न व म सा स न वा त्रि म दा वी मा ॥ ॥ उ ह क माल लाल जि का ह क टि उ र्व पि म ल क म २
सु र म ह म रू पि क द दा ही ष म म्मा पि रु यै क मा ॥ ॥ यी म दा का ल उ उ व न वा पि रु द

१०५
१०६
१०७

वासुदेवसविता २ मरुतु नृषी नागरुत वनल कमलवर्दिता ॥ १०५ ॥ आगा ॥ **कनदि** ॥ नील
 हं कान प्रकलिक किम (त २ उर्ध्व पिंगल क मयी ह वड नाया ॥ ५ ॥ नीलावर्धुद वाक मटिक वा
 लधना २ उगारु मा रुक नीपीने मात्मा मती ॥ ॥ काभावी नट दि आर्लिगल समाधि २ वाठ मकुज
 कनाटक धमिया ॥ ॥ रुमा विरुः ॥ विरुषुठ मूडारु न (त २ वा युवर्म पदि ननन ४८
 बगिल माला ॥ ॥ युक्ता मदेव ॥ नना नायत ०० २ वा पयि उव न (त वड
 मीन मर्दन ॥ १०७ ॥ आगा ॥ **पयम** ॥ वासु कल मगुल माप्प मपुता विविठु मल दीप प्रकः
 लिता २ मोड ममान सजाक सहसा रुषु वरु मरु मं हिता ॥ ५ ॥ वड वा मादी आर्लिगल हं

१०८
१०९

वयि विरुवत एक सुवायिता २ जटा मकूटा ०० नु विववज द्विपि वर्म कति विरुषिता ॥ ॥
 वड नवदन वाक्कि वकु किन न नील मलाहि तपीता २ दहिन कम वकु द्विपि वर्म मर्जना
 स्वद्विकि तल विरु लधामिता ॥ ॥ वासु कन यव वरु दीग पाठ पाठ वरु मगुधामिता २
 काभाधिप नीव रु सव न नाया आ ॥ लिता निदु यि वा पयि धामिता ॥ ॥ युक्ति मग
 नपुरु द्वा द मरुजा वड मूडारु ॥ नल विरुषिता २ पत मा मिपी मृष्टि मं ना नना
 थारु नयि अ नूप मवडु गीता ॥ १०८ ॥ आगा ॥ **मलाउ** ॥ मगिया किम नयु निल लिता
 सत २ किम किम लल जि नखे नूला ॥ ५ ॥ नमामि रुव सुधामा किन नन नि २ वि ति

२ छिन्नवनदवी ॥ १०८

तनसापूलनिधाति ॥ रुद्रकलहावामकत्रधात्री श्रुतानामश्रुतिपहापूरुकाध्यात्री ॥
निधिदहीतनत्रमश्रुति २ सतगुनत्रमहापुलसितधात्री ॥ लाकन्यत्रवडावाति ॥
ॐ लादवी २ ऊँ ह नमः समुला ॥ यका ॥ १०८ ॥ नाग ॥ नाट ॥ छिन्नवनदवी स्व
गमध्वदवी २ द्विगुज उकम ॥ त्वनकवर्धुतितालावनीदवी ॥ कु ॥ नमा ॥ ४८
सिद्धवी वरुठा किनी उकदवी ॥ श्रवद्वीगउमनृगीवनमगिलमाला ॥ ॥
दहिनरुजवजविनाहनिदवी २ वामरुजकनाटकवकुमानपिवयि ॥ ॥ अद्विसि
द्विदवी वनमदगतिनाहनी २ रुद्रहयद्वनी वरुहयद्वनी ॥ ॥ दविआकाशविम

१ पूर्वाहिमरुवा ॥ ११०
१ छिन्नजिक ॥ १११

धमिदवी २ रुद्रयत्रवजानलवजसलदवी वननी ॥ ११० ॥ नाग ॥ म. न. व. ॥ पूर्वाहिमरुव
द्विगुजनीलवर्धुददा २ दहिनरुस्य वामध्यानमूडा ॥ कु ॥ नमामिहैजात छिन्नवनन्य
मा २ रुद्रयवकन्यत्रसूननमवदिता ॥ ॥ दक्षिणदवी वीवजसमस्वति ॥ ॥ वामणीना
मर्हतावाध्यागमूडा ॥ ॥ पंच ॥ गिरवजसिद्धिगुहासुन २ पठहिरुदवी व
लणीअकायजिन ॥ ॥ रु ॥ नयिणीसिद्धिवजगीतयत्रिता २ ऊँ नमः नमः
मलमाकुरुलपुमादा ॥ १११ ॥ नाग ॥ से न. व. ॥ जिनजिकनलाधुका आलालिकपहाध
का २ नागत्रिद्व पत्रिमादत्रिवजत्रि ॥ कु ॥ हैनम ४ ऊँ २ पुरुषीयसमाऊवज

१८५०

अथ यमा २ नमस्तुत ददवीसंयुक्तजयिण जानमिसदकनाजा ॥ ॥ नृपतिदगधनसुव
 जा नमिसाय नमस्तुत ददवी २ अजिहषितिकार्त्तकलिशकनाजा गगतगर्तवमजा ॥ ॥
 कमलकुलाकनवमयधमालि नमस्तुत पुदा ॥ ॥ विष्णुककायलककं जाडनी
 लदधुमदावला २ उषीषयक सूरमाऊ नमस्तुत विष्णुमधुला ॥ ११२ ॥ नाग ॥
 वमक ॥ गोत्रीवोमीवनामीघ स्ममीपूकनिश्चवमीर्वडानी द्विती मधुलप
 वला ॥ ७ ॥ अनेदनाययिदमवनेया २ नेमात्मादवीहलयया ॥ ॥ नमस्तुत ययवमव
 पयमरुषला २ विठुकनधुमालादिगीवना ॥ ॥ पयामृतमसलाकदद नश्चदवयु

576

अथ दशमोऽध्यायः ॥ ११ ॥

ऊरुपीमिरुमयना ॥ ॥ मिवनरुनूकसूमरुवागा २ रुतयिऊमायवजहवृवकागा ॥
 ॥ ११२ ॥ गागा ॥ काडि ॥ पुवनदहनऊवरुमिमनूपमिविचकमला २ दिनमदिमहु
 लहूँऊपीहूनूकऊयमुखषट
 रुताचयिनवमसर्सावा ॥ ॥ ॥ रुजविनयना ॥ ॥ ॥ वडावागादीगाटालिगि
 षटभृगाजलावा २ वजयवृग
 विववजऊरायूकसारुवामरुंदपैवकपालधना २ व्याचुवर्मकदिदहापाभननम
 तुमालाविरुषिता ॥ ॥ रुनवकालीजालिठवाययियायूगमर्द्धसिद्धिस्वमूपा २ ल

२ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११६

वक्रपतिमुख मूढाविरुषित सुविमुक्त जिनवज्रमोलीधरा ॥ ११५ ॥ आगा ॥ **मधुमता** ॥
नमामि शशीयागम मृगशीर्षमस्य तज्जकिनी आर्त्तिगत २ इति तद्वज्र (१) अतिधृत मरुददा
स्तज्जकिनी पत्रमन्वयी ॥ ५ ॥ कृता हं हं २ कृता कृता हं हं ॥ । दहिन कर्म दहिन वाम
धनवत्तरीया वृक्षकपालधरा ॥ २ वज्रयवृक्षिणी लावना मुदनी पासितकाध
मृगमयी ॥ ॥ विविधिमार्ग विप्रविनाशिका मद्धिमिद्धि वज्रपदाय निश्च
मरुतवत्तु विवदना दहाऊ नमस्तता ऊगता ॥ ॥ पदाव वज्रपत्रमात्रय रुगति
रुवत्तु विप्लवपद २ ऊममऊममकृता पारयकर्म आदिवत्तपत्रमन्वयी ॥ ११६ ॥

५१

२ सादशायन ॥ ११५

आगा ॥ **ललिता** ॥ सादशायन नमस्तुतिन कियमित्रवासा नाथिनामगाऊ उदावा २ द्वाउमा
नमस्तुत किमिहिरुक्त सयना नपावसितय मृतिदाया ॥ ५ ॥ दवाकयितु त्रिकिमिति
उक्तनामगात्रिमा २ दहिति आलिह सदा वमसि विकमाला किति नय अकिता मूवा ॥ ॥
मिहसुहसु मनुलमाप्य वसिन वतावा अगुर्थधन किन पावली पाश्चकमरि
षयमखंडांग नकदा नप्यसि लऊममकृता कपाली ॥ ॥ पयनथमरु
दहसि वउदवाऊ कदिनाथ दवाऊ पावति ऊर्य २ ऊगता नमस्तुतिनाम सयन ऊगुमा
ना उहिसी मायि अकिता रुय ॥ ॥ रुवदायनाम मतिविनय मरुतवज्रकयिजा नू

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ११५

हिममद्वि सिद्धि ॥ ॥ धर्मवर्द्धि कृतार्थमयुनास्तु न सिद्धि तव्वा न मूढा धर्मवर्द्धि नाथा २ सूत्र
नममाधय (लाधय दानपतिमंत्रक ॥ ॥ कर्मवर्द्धि नितवन अरुय मूढा धर्मवर्द्धि गत्रुजस
न सिद्धि नयत्ता २ कृतव हान विनय सिद्धि वन मदा मगुल सूत्रु पाठयेति ॥ ११२ ॥ भाग ॥ न
८ ॥ जिदल ममावद दिनक न मगुल माजित, जिदुवन ऊन नि २ मक कन
वृत्रति नितनय न मात्र मय न मि पृष्ठदनी ॥ ५ ॥ दवी कवति कपात्रध मा रू
षित नत्र मिल माला २ कमल कलि गदयि तात्र वा ऊयि नावयी सद जा स्व मृषि ती ॥ ॥
व कि मिल कर्पू क गुल कर्पू क पि क म्भरा २ द्वा (थ मात्र क कति य म्भल व न (त नो प्म

सुदिनसुदनी १२०

स्वकिता ॥ ॥ सुवर्णमयाननं रुजध्वनं रुदहि अहं कला पा २ लावा लाव विजिहं अून न
पम अून रुम गगल स्व नूपिती पइ मय वं ड य दं नि य ग त ध मिया ग म व यी हा स कू लि न
२ अून रु न सिद्धि मा रु प दाय र
ना दि ॥ उ दि रु सु व न कम ला
म ल रु द या क मू ल म य ना था ३
ग्ये इ र्ग म न ला हि रु व न व्या पि रु रु ग रु उ द्व त्रि या पु ल मा मि ला क न्य ना ॥ ॥ क न क
म ल म लि हा म वि रु वि ला क न क मू रु व रु धा वि श वा म क म ल धा मि य म द आ रु म द धा

अथ ॥ १२१ ॥

महजानंदमूर्ति॥ ॥सूत्रनमयकविचमपायदू४खदमत्तागतपूजियाललाकमः
 तसिनीमित्रिया२सिलिखानखलुमारुपदातादर्शनपायदू४खदमत्ता॥ ॥नकु
 वरुमुखनयनसुलाचनासर्व
 कव्यममध्यमगुलुगुयजाज
 योनासिसिद्धाकायाकायविद्वान्
 वालासिलगावुदुक्कयागितीर्वध्वसुयानविद्वान्२कायाद्युदिनआनन्दमानसमाह
 रुकर्ममा॥ ॥कायावैदकायासूर्यकायानरुहमाला२पदितसुयानविद्वान्पतिथ्य

२ नमामिन्दीकाय ॥ १२२

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२३ ॥

पत्रनिवासनलवकुक्षमित्रा ॥ ॥ नमामि शीतकूर्जपमिहिरुचंदासनविश्वयापि ना
२ नलमवूटनकृत्त मित्रसा सुकललाका सुखदायनी ॥ ॥ नमामि शीतपुल्यानि दापो
नवयोवदिददवला २ विविः ॥ धिमलाग्नममिहिरुचं नममु २ विवङ्ग्यनी
॥ १२२ ॥ गगा ॥ नाट ॥ विरुवन ॥ लाकवागीन्यमाह २ सर्वपूजागमसुमका
हं ॥ ॥ श्रीगुलपुधानसर्वहता ॥ अहं २ जगत्विद्यामयं नृपसुसिद्धाहं ॥ ॥ अहंवाताम
हं वृक्षायोवनाहं २ यनेवहतामाकतनेव नृपाहं ॥ ॥ कविद्विद्विद्विद्विद्विनी नृपय
दाहं २ सस्त्रानित्यसर्वयापीन्यमाहं ॥ ॥ अहमनृत्तयहानवृद्धिददासाहं २ जगज्ज

५५

कं२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२४ ॥

सपठगत्ताधोआनंदाहं ॥ १२४ ॥ गगा ॥ नाट ॥ कवर्णनृपलाक ककर्णसुखविद्या २ विमल
निर्गजनआसमकविगुहं ॥ ॥ नावयीपविना नऊसुसंयाग २ खड्डतल कनकसू
दइलाव ॥ ॥ अहामनिर्मनावज अहानुद्वपुकि २ अहानुपुसयं ॥ अहं नहं सोः
खारुसवयं ॥ ॥ अहानाः ॥ अहं हयमहासुवकमाह न २ यागिनीयागम
कनगागमूरुमी ॥ ॥ पूजाप ॥ नावविविधेनित्यहयपुवर्तक २ लापसुसम
यंगुहं ॥ अहकसुखावहं ॥ १२५ ॥ गगा ॥ कामाठ ॥ पुल्यानि दपदागवाका नृ २ निम
वर्णुकापिगलकुटा ॥ ॥ नमामि श्रीकजटि विजगत्तमहिता २ अद्विसिद्धिदाता

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

१२५

१२६

निरुवरुयह नत्मा ॥ ॥ दहिन खड्ग सनवड कर्हि ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 व्यापुवर्मवकुष्वर्लैवाटला ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 पंधमा ॥ गुमपादमिनाधमिन्न ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 दशकुडवले ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 नादीअलैगलनाययिना ॥ ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 नी ॥ ॥ कायवाकविरुवड ककिनी ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 यिनमाया ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥

१२५

१२७

वर्लैवाटनक वृपा ॥ १२७ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 कजरी ॥ १२७ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 पुदायनी ॥ १२७ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 बलविरुषितगीव नुडन नमि ॥ १२७ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 लकठिमल्लसंरुवा ॥ १२७ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 नी ॥ १२७ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥
 त्रिया ॥ १२७ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ हयवर्षु ननु ॥

अष्टवक्राणि ॥ १२८

वीजकृष्णार्द्धमाहर्द्धदशनीलहविमन्कूपीकवर्णीस्य सपुद्गास्पृजकर्मवासनज ॥ ५ ॥ नः
मामिआत्रिदायीमहासम्भवावजवादीगून्त्याकनूताखन २ शीषत उर्द्धवर्तगर्भनिरावि
ववजीर्द्धदृष्टसपुद्गा ॥ ॥ पुथमपूटवज्जीकुलनामापतिसोत्रअकिनीव
जदाकादि २ द्वितीयआकाशवायु मदनीसूकिनत्रीयागिनीगवाकाना ॥ ॥ रु
नायवर्तन अगिजलहादवीवदकरुसूकयादिधृता २ वरुमसुवतु विरुवाग्नयनागी
अमीत्यधूकवउसनाथा ॥ ॥ नरुउसदमुवाधिसत्ववृत्ता बालधाउहा विर्द्धितकम्भ
मना २ दाकार्वमगुलपुदकित्तगुनपादगिर्धन उँकालवजा ॥ १२८ ॥ नाग ॥ रु

जग

१२९
अष्टवक्राणि ॥ १२९

वनी ॥ लंवाकर्णलंवादलुत्तयना २ कगि ॥ लंवाकर्णसिंभनरुवन ॥ ५ ॥ रुताहँहँ २ रुताक क
हँहँ ॥ ॥ वायलनउमहाधपनगुधना २ रुजमूनरुसूठधना ॥ ॥ रुनिरुसू
निमाहनिआकर्षती २ आदिअरुकल्यानकमध्वनी ॥ ॥ स्वर्गमत्यायानरुतिरुवन
ना २ गतपतिपूजियानसर्वका र्यसिद्धि ॥ १२९ ॥ नाग ॥ रुवम ॥ अष्टवक्राणी अ
रुपालकान २ अष्टयागिनीवव न ॥ ५ ॥ सिनसर्पिधनाकअलरुना २ दवीप
मादनमाक्रमार्ग ॥ ॥ नमसत्तअधिगपालकान २ गुनवाकनआगार्ध ॥ ॥ वनवस
मातुगत्तलद २ रुवद्विद्विरुतागलद ॥ ॥ रुतमिलसिसिद्धिरुलपुसाद २ रु

२६ लिपिपत्रा १३२

मङ्गलगीतविनामिनीमर्त॥ १३१ ॥ नाग॥ **रास** ॥ कूलिगपमरुदजितभाकुवीर्जनिनू
पमधर्मधातुनूपै २पैचहानपैचजितभाकुर्कधासर्ववृद्धालयनूपै॥ **कु** ॥ नमामिगीताकि
घटवज्रधातुवापिका २ अूनग **दवासूत्रसविता** ॥ ॥ जगत्वापिकितुवः
नेकनूपरुल्लयिपैचकथागत ॥ **युतुनवतुपत्रिमधितमधुलाविदिगतामाद**
वीमधुता ॥ ॥ षाउगीयाधिसत्त्ववतुमात्रेदसहसुस्वस्वकथागतनूपधना २ पुतमाः
मिवजसत्त्वकितुवननमिकर्ममन्त्रिषापत्रिसृष्टिना ॥ ॥ गीयागमन्त्रपैचकिनीद
वीपैचवर्क २ नमामिगीता २ नमामिहानन्यमी कितुवनतजतनी अूनगमाद्विसिद्धिवन

५४

२६ लिपिपत्रा १३२
१३३
१३४

पदायनी ॥ १३२ ॥ नाग॥ **मलाद** ॥ पातनकातनमन्त्राधियान २ सिद्धायागीर्वधुदरुनन
उदव ॥ **कु** ॥ नमामिगीतेलाकन्यमकितुवननाथा २ कनूत्तमयजगतउद्गमती ॥
हमिदमवक्ता २ उदिदिगवाला २ नागयकगतवैदितवमले ॥ ॥ तुम्हसुमनकपा
पदमला २ याधिमिडइश्वर **हमले** ॥ ॥ सुखवकितुवनधर्मगुवलेशी
लाकन्यमङ्गलमङ्गलमङ्गल ॥ ॥ १३३ ॥ नाग॥ **मजिगी** ॥ ताल ॥ **दहमा** ॥ सूत्र
निर्मजतपत्रमपुतु २ न्यमायसहाव २ लावहवियसहावता नानामिमयिजीव ॥ **कु** ॥
नयूतवनउनिर्वातकहि ॥ उद्गतामहासुहवर्क २ लावहवियसापत्रसाहयिकर्क ॥ ॥

विश्वरूप ॥ १३५

अथ नमः कुविर्जया नासर्विदुनविरु २५ कृपाय नमः सहा नारुदिनाविरु ॥ जिमपति
 विंदु सहावज निनिगावयिमनसु २५ सुत्रनिर्जनपत्रमपुहु नातळपुत्तनपाड ॥ जिम
 जमसुर्वदसहि नासासुचुनिम २५ निनिमामलुलवक्क जतनयसैहावसुचु ॥ १३४ ॥
 नाग ॥ ललित ॥ गाल ॥ जटि ॥ वि ॥ रुचकाष्टालहं वीजसंजाता न नीलवज्रवंधित ॥
 पूत्रीलपी ॥ अष्ट ॥ खगुकपाता ॥ दिवीमं पुर्वजया संपट नीलवज्रवंधित ॥
 निखरिता ॥ ५ ॥ नमनाथकु ॥ जिनकुवनम्वन दगदिगसिंह नवाहामकनती ॥
 वाकवज्राष्टम आकाशरुवा मूला कामगुपी ० स्वरावम्र कुर्यादिवीमं २५ मावत्यादि स्या

५२

पुर्वदिगपति ॥ १३५

ग. नका आवदना २५ वज्रपुत्रवर्गा उमनधामिता ॥ कायवज्राष्टम उंरुवगुत्रवज्रवद्धपी
 ० पुत्रपुत्रिमदावलादि २५ वज्रवगालिगित गुक्रांनुववकुज जराहं २५ गुष्टवद्ध होना
 लंकुता ॥ ॥ ववर्विगकियो ० स्वमप्रवकुयालिगित जिनुवनकंपित क्रियातसिगा २५
 निमंवीमदवी ० कसरावगान ॥ म. रुतयिगी कूलिनी नीलपुत्रदात ॥ १३५ ॥
 नाग ॥ कामा ॥ गाल ॥ धर्ककाम ॥ पुर्वदिगपति अनी नीलवर्ध २५ पुत्रवर्गा मत्रिका
 कवदना ॥ ॥ उरुगाधिपति हजितवर्गा २५ उमकाननलीम यरुहयहमही ॥ पन्नः
 गाधिपति ला कामसुवर्ध २५ नागरुहयहम नवदना ॥ ॥ यमपति दाम ० गोत्रवर्गा २५

सर्वज्ञान ॥ ३२

काजवमसाक कर्न २ द द यिथ पुसा त्रिलसा म विदा म द त्वा व क ली व द ली य र मूर्ख ॥
विश्वक ड पैं क डिल ता ग ठी र व (हा व म सा हिय ना द व ली २ क लिन कू लि हा घ नृ मृ ड क म
द्वि तु ऊ ह नू क आ लि ग द नी न विर्य ॥ ॥ स म ल स म द स म द वा वि य ना द यि
ना द क र्म ग न स म ल कु व २ अ व धू व प यि स यि स द ऊ पी स व न अ नी ल न र्म
ग न लिन ग ति ॥ १२८ ॥ ना ग ॥ का भा उ ॥ ताल ॥ म प ॥ सर्वा य म का ना वि का वि का न रु लि
या उ म ति त्रि का न २ सर्वा नि नू ष ति पू ज न पू जिक डि म ऊ ल र्च ड माल ॥ ५ ॥ रु ऊ कु व ऊ
क वा नि स यि प मि सा हिय व लि या न २ पैं वा मि य न स कू लि हा उ ला ना हा (ग द द न

७१

अवज्ञान ॥ १६०

पैं व सा न ॥ ॥ उं अ ४ हूं रु क मि या उ न वि य स म य म पी धि २ व न न स ल न सी दा ना न
अ द्र य मा न क नू रु नि ॥ ॥ रुं ड य म ऊ ल य ना न रु न व कि वा य ना ना न २ र्च ड सूर्य ड
यि वा धा न ताल पा ताल अ रु ना ग म ॥ ॥ रुं ड व लि रु ऊ डि या न रु ल धू प मी स सा हि
या न २ ना नि रु रु रु रु ग म धा न दान प ति सर्व का र्य सि डि ॥ ॥ क र्पू पा व लि अ
धि ष्ठा ना न वा नि व व रु य हं ग ॥ ॥ २ ना जा दान प ति स रु लि वा ना न स य न स न
आ ना ग म ॥ १२९ ॥ ना ग ॥ क न दि ॥ अ व जा स न सि रु न प मा रु र्च २ स मा ऊ न न य न पा क
क र्द्व ॥ ५ ॥ नि र्वा प ल मा मि श्री रु ला वा ना र्थ २ इ र्ग ति रु य रु म र्च स ग न ग ति द र्द ॥ ॥

स १

स २

॥ १४१ ॥

दहिनवमक नावा मकमलधमा २ नमकां इडिक सत्त्वमुखपनिहं ॥ वीमंडं स्वरि
 क जटायक २ अमिताभ मोली नैजिनहनयं ॥ ॥ य (गय) ग (ह) म (ल) श्री वृगमनला
 कथन २ ग (व) कि जल वड मू ३ किला रु रु तु ना ॥ १४० ॥ नाग ॥ क न दि ॥ व
 मूड पूस्क न य म रि द ल स जा ना २ ह का न स र व न क व रू द द ॥ ५ ॥ न मा
 मि २ श्री नै गत्मा दवी २ रि रु व न या पि त रु ग रु उ क मी ॥ ॥ दहिनक न रि ध मा वा म व
 द्वां ग २ क पा ला व डि क रु ल क रि गी व मू तु मा ला ॥ ॥ वाहि न व रु मा द वी म ह म् मि
 म न् २ ना ना वा ग म ति ती न ॥ ॥ दहिन रु न व द व वा म वा रु कि सु र्व द वि द व ग ल पू

॥ १४१ ॥

५२

॥ १४२ ॥

जिना ॥ ॥ रु न यी मू नी ड व ड गी रु व न न २ रु न रु न मा रु प द व न द वी प सा दा ॥ ॥
 ॥ १४१ ॥ नाग ॥ का मा उ ॥ का का न न रि मी ग नी ल व रू रु स व रु म नू क रि द धा नै २००
 रु न रु पा रु ख द्वां ग र्प व पा च्चा वा न रि रु प त्या ली रु व न ती ॥ ॥ उ लू का ला या ली ग म्
 म व रू रु द रि ल य त क क रि रु धा नै २ वा म पा रु ख द्वां ग नी उ दि र्व ड न रि रु
 रु प त्या ली रु प दा ति ॥ ॥ ग्वा ॥ ना न न रि मी ग न रु व रू रु स व रु य न क क रि
 द धा नै २ रु न रु पा रु ख द्वां ग वा ल अ प रि द्वा न रि रु प त्या ली रु व न ती ॥ ॥ रु क ना
 न न धा नी ग पी रु व रू रु स व रु द म नू क रि द धा नै २ वा म पा रु ख द्वां ग रू पू अ पा रि द्वा

१५५२
१५५३
१५५४
१५५५

नसिद्धपत्न्यालीटपदायि॥ ॥ त्रिभुवननाथसूत्रनवर्वणवदवदनाशितकसूत्राशुशुद्धा
दक्षकुजापटमूर्धांगवकुमध्यसिद्धाश्रितिवनता॥ १४२॥ नागो॥ **नाट**॥ पद्मानयत्रि
ॐ द्रुमगुलासनसु२सुचक
लोकनाथ२अमिताभजिल
सर्वलकृष्टसंपूर्ण२हिमकवकाटिसमधवमसुदहं॥ ॥ रुवसमसमलवसर्वल
वसुधाव२नवकगतिगगादुर्गमाकवलदायक॥ ॥ सुनासूत्रनयत्रिकापितान्दित
२रुनयिणीमहासुखवकुवत्रिका॥ १४३॥ नागो॥ **नाट**॥ अनलमगुलमाप्रअष्टानव

५२

१५५६
१५५७
१५५८
१५५९

कुं२नत्रपिअत्यत्रिललितासनसिद्धं॥ ५॥ नमामिश्रद्विनीदवी२धनवहाकसुगवि
यकमहासव॥ ॥ अनूपमसुखनूपीप्रहसितवदनी२गोनवदनीहिमायतसुदना
पुयाकनीगत्रलक्षत्रितयाति२वदसासनसिद्धसर्वकामार्थसाधनी॥ त्रिभुवनया
पिनीऊगकडकात्रिती२रुनयि
नीदवी॥ नमामिश्रीद्विनीम
नीदवी॥ ॥ नमामिश्रद्विनिमामकिदवी२ऊगकसुमानपत्रियाल्लिता॥ ॥ नमामि
२शीसूर्यधनदवविजया॥ त्रिता२द्विदगवर्वपूजयोगादिविवात्रिता॥ ॥ नमामि२

अगतिरकनूष॥ १४७

श्रीवृक्षनामहिहृदीदवीशधर्मधुपमिवात्रितनित्यनित्ययति॥ ॥ नमामिश्रीमंशुवज
लगीतचमिताशुपुलमासिप्रीपडनीदवीअक्षिसिद्धिदहिम॥ १४७ ॥ आगा॥ **मधुम** ॥ अ
गतिरकनूषविदानतदवावि प्राककमहाकाधमायाशसूननननामयकग
तर्वदित्दवगल्लय्यत्रुवन व्यापिता॥ ॥ नमामिश्रीगतापकितनल्लम ५४
द्विसिद्धिवलदायकाशइतिरदुनल्लगुरुमंगलकामल्लसर्वमनसंवाविता॥ ॥
गजमुखवितिनयनल्लवाकर्तुवन्नल्लवादल्लनृत्याधिपतिशतदवपदअतिल्लवद
ल्लनूवर्तुमहाकला॥ ॥ नल्लरुनल्लविह्वितददापापननादयिताअथशकचुपा

विश्वकमलापि॥ १४८

गिबिबमनिवासितगतपतिविविधधुगुरुल्लल्लिता॥ ॥ जममशमानुर्तुशपायशव
ल्लअलिमकसूखरुल्लदायकाशसकगुनूवन्नतसिनेगतधमियागभवत्तिमहजानेदगी
ता॥ १४८ ॥ आगा॥ **पंचम** ॥ विश्वकमलापिमित्रविमलुल्लहैकामसंजाकखर्वल्लवादन
शुपुतामूडचूडविल्लर्तुजिक हयानर्ककाधविपवीववीनय्वर्तु॥ ५ ॥ नमा
मिश्रीमहाकालपदाककअ हिमकसर्वसूखसिद्धिवनदायकेशद्विगुज
उकमुखनीलवर्तुविनरुपिंल्लकर्मअकस्यमदट्ट॥ ॥ दहिनवजकहिवाभमंक
पालखडांगधर्ममहाकालीआलिंगल्लशपन्नगहृमतयापुवर्मनिवाप्तनमलुमाल्लदा

विष्णुसंगीत ॥ १४८

ननु यदास विरुषिर्न ॥ ॥ कालीक जालीव लालीव सगरी सगता मधुल माय्य पुहलित सिर्ग २ प
य मूडा रुषिर्न पय ॥ त्रिसूक्त न पय मूक न स सदा पाने ॥ ॥ ऊन ऊन मूक रुव रुय रुन
लया रुव पीव ड महा काल २ स ॥ तगु नूव नल कमल पुसा दे गा वक्ति पी महा मुख
वज गीता ॥ १४८ ॥ भाग ॥ **गुरु** ॥ **नमाल जि** ॥ विष्णु सगता न विगति मधुल हवी
ऊन रुव पी रु नूक २ रु नव का ल्या का रु ली रु ला स न गत मति नै जि रु व न ल य गी ॥ ३ ॥
रु ना हू हू २ रु ना रु रु हू हू हू ॥ ॥ गो न व रू उ का ल्या तिन रु द्वि रु उ स व क न व ड वा म
य १२ व ड वा ना दी पु हा गा धा लि ग ली सि ति आ नै द मू नू ति ध मा ॥ ॥ विष्णु व जा हू व ड

५५

मदिनि म ३ ॥ १४८

ऊन म दू ट हा अ रु न ल मू सा रि ता २ प रु हि मू डा प त्या न मि ता वि रु द्वि रु का रि ड रि व रु म
॥ ॥ ॥ ग कि नी ना मा ख पु ना द नू पि ती व ड दि ग रु २ वा धि वि रु मू क रु रु व ड का
॥ ॥ ॥ पू नी ना दि व ल ना रु पी ० वा सी २ पु र्वे अ दि ग कि नी म द वि ती ॥ ॥ द्वा ना दि
का का न न का ला दि य म ग कि नी ॥ स वा सा म व स वा सि नी २ स रु नू व न ल क म
ल पु सा दे गा व कि म दा मू ख व ड ॥ गी ता ॥ १४८ ॥ भाग ॥ **गन्ध** **न रु व वी** ॥ म दि नी
म धु ल सि रु ज नू मू वि ली २ व ड मा ना का रु स सा रि रु वी नै ॥ ३ ॥ न मा मि पी रू उ म हा
ना व ल वी नै २ रु व रु य ड रु ना ग न स वी नै ॥ ॥ वि वि धा रु न ल रु षि रु दि व मू मो ली

२५
॥ १४८ ॥

नं३ छिनयनहीषमवदनं सुनलनीलं ॥ जगत्तुल्यं हितरुलदायकं अखिलं शब्दवाः
सुनननर्वदितवजली ॥ सततुमूवजलवदितसूखनं २ गवन्निमूनिभायीगीतसू
सात्रं ॥ १४८ ॥ जाग ॥ **कामा ३ ॥** ॥ हे कामसूरुव हृदय ॥ सागीतयनदनात्यवि
तांदवकार्यं २ नीलपीतनकरु ॥ निरुहंगमूनिदमवदनं छिनिनयनं ॥ ॥
नमामिपीह सकताभंदवा सुननन पूजितवजली ॥ ॥ आलिकालिइयी आलि दवि
हे मवकाली मागसूदनं २ घटसफरुजासख विरुधरी दयाली गलपुहलितुसिनी
नरसूमा लागीवलंकना घठसूडा घत विरुषता २ वकिगिल विववजाववडं रुदा

॥ १४९ ॥

मकूटधनं वीरं ॥ रुवडं खरुनली जगत्तुल्यं जन्मजनामृत्युरुयविनाशनं २ रुवपद
पद्मवदनमलसिद्धिवरुवलं माकरुलदे ॥ १४९ ॥ जाग ॥ **कामा ३ ॥** ॥ छिनुवनज
ननी छिनुवनहिनो २ छिनुवननवी वडवकधीधारी ॥ ॥ ॥ पलमयादीवूजपीवडया
गिनी २ सुनननदनुजं डलपू ॥ ॥ जितवजली ॥ ॥ सुननवी वरुमानदसू
पिली २ मनाकयागिसूत्रिनी ॥ ॥ सिनी ॥ ॥ सकलइरुकनी विनाशकारिनी २
सर्वविशगइरुवविप्रविधुं सनी ॥ ॥ ससात्रसागरोरुवतवपादनी २ अनरु माकरुदा
यनी अनीरुतामली ॥ ॥ कामनवी कामनूयी विववनी २ रुताकरुकारिनी ॥ सर्वसिद्धि

वाकलिर

१५२
१५३
१५४
१५५
१५६
१५७
१५८
१५९
१६०
१६१
१६२
१६३
१६४
१६५
१६६
१६७
१६८
१६९
१७०
१७१
१७२
१७३
१७४
१७५
१७६
१७७
१७८
१७९
१८०
१८१
१८२
१८३
१८४
१८५
१८६
१८७
१८८
१८९
१९०
१९१
१९२
१९३
१९४
१९५
१९६
१९७
१९८
१९९
२००

दायनी ॥ यदा रुममिष्टि संपददायनी २ मदासुख वरुणी गीतगावयी ॥ १५१ ॥ नागा ॥ म
लाठ ॥ कमलकुलिहमाज्य रुडिआ गियाडि २ समता जायि कुलयिचकुली ॥ ॥ काई ॥
विघननयिलहिअगि २ म ॥ मधनहीलीलयिमिचकुमागि ॥ ॥ नोचवजा
माधुमनेदीसयी २ म मूगिषल ॥ यपिगखया नययिगयी ॥ ॥ दाधपिहानि ५१
हनुवुका रुमाडा २ दाधयिनी तो गुलमासनयाला ॥ ॥ रुतयिधमा रुउमरुउ जानी
२ पाताजात्र उधिगनपाति ॥ १५२ ॥ नागा ॥ मलाठ ॥ विघनकमला परिविधुर्विवा २ डी
काजसी गातलवाकनदहा ॥ ५ ॥ नमामिडी रुतनाथवसुधा मालिनी गा २ सर्वासापनि

दिहुज

१५५
१५६
१५७
१५८
१५९
१६०
१६१
१६२
१६३
१६४
१६५
१६६
१६७
१६८
१६९
१७०
१७१
१७२
१७३
१७४
१७५
१७६
१७७
१७८
१७९
१८०
१८१
१८२
१८३
१८४
१८५
१८६
१८७
१८८
१८९
१९०
१९१
१९२
१९३
१९४
१९५
१९६
१९७
१९८
१९९
२००

पूजयत्रलादिदहिम ॥ ॥ रुमवर्तुत नूदिव्यालैरुगा २ रुकमूखडननलर्मजलि साहि
गा ॥ ॥ सव्यकनलनलनध्रि साहिक २ वासवनकनलतकुल साहिगा ॥ १५२ ॥ ना
गा ॥ **नामकवि** ॥ यदावडासनसुवेडकाटी सुनिर्मलै सव्यकनवलदे वासपयधन २
यमकुला रुवै नार्थ सर्वहो ॥ लिने वासिग रुवकुमाजिल रुदाधमा ॥ ५ ॥ न
मासि २ श्रीलाकनममगुले ॥ श्रीअसापांकुगि २ दहिनी आर्यतामास
धनकमाने वास रुकटि रुयगी वासिगा ॥ ॥ पर्वशी मेरुय नागा पूषावलपुदं किनि
गरुकिनसे वास रुयपदं २ वजपातिगुका रुवजा रुवलपुदं समकरुडनलात्यनव

२ विजयविममय ॥ १५५

सुसखा ॥ ॥ धूपादिचतुर्दशाय चतुर्दशी वडा कूभादि द्वात्रिंशतीला कथनमनुलाघने २
सर्वकर्मनाशिका कवपूरुमना नथरुनयी महासुखवजगीत ॥ १५४ ॥ नागा ॥ नाम क
मि ॥ विरुवेननाथ श्रीसूर्यरु वेत्यनाऊ नागवासा रूवमा ममतिनाल २ द
गगतदलनलकमलकनि काह नकगनात्यमिसेमूकवी ॥ ॥ नमामि
२ श्रीधर्मधुवागी चर्न दवा सुनन नर्वदिता चर्न २ जना जात मृत्युद्वितह नदी विरु
वना नंदका नकी ॥ मणिल महाविष्णु जिनात्मज मेश्री सर्वहृदना रूवपात्रित २
रुजागता काली कदवडदा सैवु दिने सकत सूर्यरु विममया विने ॥ ॥ मश्री पृष्ठा

५६

२ विजयविममय ॥ १५५

गतामा रुक नधर्मनेपाल नाऊ पन नपतिकुर्त २ गुनवा कभिले धूनाऊ नमि (थे) सूर्यरु
सविने विषयानंदका नकी ॥ विषयलोभाधियदव पर्वदने पागा ना सूर्यरु म
विनाऊ सु २ पसा विमेश्री पसा यन रुर्त मरुणी नामा वाय पुका मिता ॥ ॥ श्रीस
यैरु गुपिकुर्त मूर्त पंचपूरी हा श्रीमहाकाल स्तुतिने २ वसूपून वसुधा
ना वकि पूनरुता सेने वायु पून अनिमाधियगाधिता ॥ नागपून नावकु
मकि पून उकार रूवमगुले सूर्यरु पूजिताऊ सु २ रुनकि रुगकि महासुखवजगीत म
हास्य श्रीसूर्यरु गीतवविने ॥ १५५ ॥ नागा ॥ नाम कमी विजयविममय मनाह नरु

५८ निगक मल ॥ १५१

वहुनवनवनमरिया २ दाडिं वदू समस का मरिया अनूपमउ नवनउ मरिया ॥ ५ ॥
 वामकनाटक दहिनकनवडा नयमवरु गिया २ वधू निवृ मियान विनाहि नवाना
 नमामित्री विद्याध मिदवी कनी या ॥ ॥ सूर्यमपुलमाप्र उदिया नथि कि मि
 नसेहाव थिकिया २ वनून सह वपि पयि त्रिधि थन मय ननु उ मरिया ॥ ॥
 अधिन थिमहा यिन इइ नू अवख ब आत्रिका मिया २ सरु जानंद महा सुख रु मि वृद्ध ज
 कि नी नय का नी ॥ ॥ कनू हा महान स डिउ वन रु नी या हावा ला व नदा यिया २ आदि न
 अरु न नि रूप म जान पुता मामि सू व त्रित रुत यिया ॥ १५७ ॥ नाग ॥ विकार ॥ हजिर कर

मलापत्रिभक्तिमिमपुला२ नाऊका लायिमाप्पवदनहउपयिया॥ ७ ॥ नीललाहिनवीः
रमितवदना२ ऊटा मकूट वज्र मतिवजरूपना॥ ॥ जीवकपुकिमुखविशेषाया कदि
ता२ जितपुकि मोली जितकनकाहिता॥ ॥ दहितवजासि किगूल कहिवाली कृती२
उममूमूल लवङ्ग हृदयक
धनुषाभनत्त पद्मखवलद
जितगत विद्याबाधिसत्य सहिता॥ ॥ आधना उडकिमारुगत सूनासूने १००० दुयमाः
दिगतपतिगुहा॥ ॥ नगने रुद्रकाटि गतवृता२ पुतमानिवकुम्भनीकोलवर्ज॥

सहस्रनाम ॥ १५८

॥ १५७ ॥ गंगा ॥ **रास** ॥ सहस्रदलमाया कति नूपयुद्धयुद्धमत्थना तावत्सुम २ जलपूषः
उत्पलकसूदककालथलपूषकसुगुणानि जात ॥ ५ ॥ नमामि ग्रीधर्मधातु शिखरवनेना
धामपूषु गिरिपूषु कुरु २ स ॥ **वदवा** सुनवेदिकवनेल अतगवी शिखरसि
द्धिप्रसादा ॥ ॥ **दुर्मवा** धिवा ॥ **का** कमात्रवैपक अतगवु कुरुल्लालिता ॥ १०
२ अरुधातु अरुधु मवया गिनी अतगरुणादि कुरुपाल ॥ ॥ पूर्वदक्षिणपश्चिमउ
रुनतीलपीतमकुदमिता २ पर्वजिनपर्वसहस्रनूपयुद्धयुद्धमत्थना तावत्सुम २ जलपूषः
शीमादिपूषमवम अतगमद्विसिद्धिप्रसादा २ रुतयिनी सिद्धिवर्जवज्रिकगीता जवा २

सहस्रनाम ॥ १५८

कुंरुमात्रपदाता ॥ १५८ ॥ गंगा ॥ **नलिन** ॥ षट्कुजचकमूरवरुदघटधामी धाममञ्ज
लीपूरकवाम २ निविदतनमत्रवर्द्ध सर्वजिनवर्द्धिन ॥ ५ ॥ नमामी वसुधामादवी
मत्तारुमलरूपिर्न २ कनकवर्णमलमकूटामतिललिसर्नदविदहवती ॥ ॥ उर्ध्व
मथगनदक्षिणलाकं न्यमवा ॥ **मवज** पाति २ लादवी २ ऊमूत्रजलदनी
वर्णवामवमूलागुक्कवर्ण ॥ ॥ **विवि** क्तुलीकैलिमालीनी मूर्खेडगुरुधामी
वामवर्द्ध २ ऊजपनादिहसं वरुनदवी ॥ ॥ पूर्वमालिरुददक्षिणपूर्वरुदपश्चिम
धर्नदावैशवच २ गुफासुगुफासनसुनीदवी र्वेडकाकमात्रदाता ॥ १५८ ॥ गंगा ॥

۷۷

॥ १७२ ॥



क्र ०००

काकु
हि

ॐ मुख

ॐ धमगु

ॐ खया
कसपाड



नका
नखा

वला
ॐ

ॐ

ककु
ॐ

ॐ

१ विष्णुसमाप्ति ॥ १
२ सध्यामन ॥ २
३ निर्मानाग ॥ ३
४ गमदुदन ॥ ४
५ घटपाणिनी ॥ ५
६ उज्ज्वलरुद्र ॥ ६
७ अग्निमय ॥ ७
८ अनुरन ॥ ८
९ नरुवर्मा ॥ ९
१० नमश्च ॥ १०
११ विवक्र ॥ ११
१२ वीरमण ॥ १२
१३ विनिम ॥ १३
१४ कलि नवज्ञान ॥ १४
१५ कोनावध ॥ १५
१६ सवर्धक ॥ १६
१७ विजयनकलि ॥ १७
१८ सज्जनम ॥ १८
१९ विरुज ॥ १९
२० विविनेवि ॥ २०

१ उदिता ॥ २१
 २ उदिता पद्य ॥ २२
 ३ उय्यावृत्ति ॥ २३
 ४ उदिता ॥ २४
 ५ अवनिनिदिता मजा ॥ २५
 ६ अवनिनिदिता मजा ॥ २६
 ७ अवनिनिदिता मजा ॥ २७
 ८ अवनिनिदिता मजा ॥ २८
 ९ अवनिनिदिता मजा ॥ २९
 १० अवनिनिदिता मजा ॥ ३०
 ११ अवनिनिदिता मजा ॥ ३१
 १२ अवनिनिदिता मजा ॥ ३२
 १३ अवनिनिदिता मजा ॥ ३३
 १४ अवनिनिदिता मजा ॥ ३४
 १५ अवनिनिदिता मजा ॥ ३५
 १६ अवनिनिदिता मजा ॥ ३६
 १७ अवनिनिदिता मजा ॥ ३७
 १८ अवनिनिदिता मजा ॥ ३८
 १९ अवनिनिदिता मजा ॥ ३९
 २० अवनिनिदिता मजा ॥ ४०

१ उदिता ॥ ४१
 २ उदिता ॥ ४२
 ३ उदिता ॥ ४३
 ४ उदिता ॥ ४४
 ५ उदिता ॥ ४५
 ६ उदिता ॥ ४६
 ७ उदिता ॥ ४७
 ८ उदिता ॥ ४८
 ९ उदिता ॥ ४९
 १० उदिता ॥ ५०
 ११ उदिता ॥ ५१
 १२ उदिता ॥ ५२
 १३ उदिता ॥ ५३
 १४ उदिता ॥ ५४
 १५ उदिता ॥ ५५
 १६ उदिता ॥ ५६
 १७ उदिता ॥ ५७
 १८ उदिता ॥ ५८
 १९ उदिता ॥ ५९
 २० उदिता ॥ ६०

१ निरुजुव ॥ ५१
 १ कवभ ॥ ५२
 १ सकलजग ॥ ५३
 १ हवीजसंरुव ॥ ५४
 १ स रुजसंरुव ॥ ५५
 १ अवीजसंरुव ॥ ५६
 १ डि रुज ॥ ५७
 १ यवाका का ५८
 १ वा मा हि व हि रुग ॥ ५९
 १ ख स म ॥ ६०
 १ न मा मि र डि न अ रु ॥ ६१
 १ का न क व र्ण ॥ ६२
 १ ख मा डि ग ॥ ६३
 १ ह वि नि ॥ ६४
 १ र्व र ग म म न ॥ ६५
 १ ध म ग म ॥ ६६
 १ अ ख य नि र्म रु म ॥ ६७
 १ मा या जाल ॥ ६८
 १ का त्या दि ॥ ६९
 १ श्री रु व रु ने मा त्या ७०

१ दिन म नि म रु ले ॥ ८१
 १ उ द या गि ने ॥ ८२
 १ रु य वि आ न ॥ ८३
 १ षा रु म रु रु ॥ ८४
 १ व रु या गि नी ॥ ८५
 १ अ रु म य रु मि ॥ ८६
 १ अ नि व रु ॥ ८७
 १ रु रु व रु रु ॥ ८८
 १ अ रु म रु रु रु ॥ ८९
 १ नि र्मा र्ग व रु रु ॥ ९०
 १ रु वि रु रु ॥ ९१
 १ ध न ध न ॥ ९२
 १ वा मा द हि ग ॥ ९३
 १ य न म न ॥ ९४
 १ स रु नि म रु रु ॥ ९५
 १ का यि र्म र्म ॥ ९६
 १ रु ले मि ले ॥ ९७
 १ रु म रु मि रु ले ॥ ९८
 १ रु य रु रु मा ॥ ९९
 १ रु व दि री व न ॥ १००

१०३
 १०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

१२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

धर्मोपादि

सिद्धाककामपाधुनि

धलिस्सिद्धाभाह्व

वरुस्सकर्मप्रज्ञा

विधिधम

धम्ममिधम्मवद्वधि

कम्ममालेकी॥

धलिउत्तमाजाह

पाध्मावताववापा

कम्मोत्तमस्सकम्म

यानेमारुताजोहया

स्सवस्साविद्वस्सा

लयायज्जमास्सोह

धम्मिउत्तमस्सक

म्ममालेकी

उत्तमपूजागिग

सत्थमन्

अनिन

नक्तवृह

नमह

विचक्र

हाजरुन

पाण्हिक

अलिउत्तयाइनेगिग

कान्थाः नोदिनमस्स

पूजाववाताहि

माह्मकउको

रहाभनगिगहाज

मासाभाविक्कायः

सकयराजः कनम्भा

इवयस्सनागकपूजा

आगवापूजाः भादिका

गालायः नन्दिनस्सान

विसत्तागवृहः गिगेमा

किः अनन्तनः वृहक

उगस्सनपिहाअयः

इगथनगिगप्रविग

तानन्तायगिगतनमह

गुक्कारिषकगिग

सरुजसगवृह

सरुहाजन

गिगवातामादिहिन

मूजापूजाविगहाज

मूजागिग

गिगधनवर

विनवर्णा

गिगवकिक्कदिन

सद्यपूजा

गिगकजन

सकनग

खायवाहि

गिगगिहंज

मूजागाय

गिगस्सुसहाय

देवावगान

गिगसूयगिमलि

धम्मिधयाअक

मलुमउयक

गिगनिजउवः

आक

साविगनगिग

माकंवाहि

जिहपासक

मिध्वसयगिग

कयिलवम

गयवक्रः लाध्वनगिग

इवियपूह

गात्रपूजा

गालायः नमस्काव

विस्ससगवृह

अनिः भन्ः गिनी

माकंहावः जय

एविचसनाबुद्ध्याः शकः यस्यान्ते रक्तकाटिः विकृतं यमपुनः सवेः प्रकृतं सध्यान
 नयकृत्याः अधिरिति लिङ्ग्या व्याप्तिश्च ननवा यवा धनकलिः किनस्य विकाननः प्रक
 क्तमनिरुहः सपाठुरुगवान् श्रीपञ्चमुपवनः ॥ हस्तसिलया ॥ आक ॥ नत्वा सच्च
 आगता गुनराधा आनोपदाथेग वाः श्रीवज्रासननामहृषिकरुन् संसा नदाभा ग्रह
 ॥ मूलपृष्ठवलवृधरादसमं संसालधनकृतनामावर्धकथागतादिलननाद
 हंरथकथक ॥ ॥ हस्तदहया ॥ आक ॥ काविद्या कुलवीरुसंवेयवलं इकां वृजीध
 स्त्रिताः हंसावीमिवरु किंकनका रुखकपालावनिः कस्याः भादसलता वनउ वं प्रप्राय

आवंरुथादि ॥ ॥ निष्पायादाविद्याः कुवनिहवसुधाचकनिस्कंवदं
 सतावाधिष्टदं द्विगुनकुलधन व्याफाटिद्यादसः इदशाम्यव इदं प्रकृति यनिरुवंशउ
 नक्रुंतामानानि न्यावता नं घनउरुगवकं तांदवंहनुकस्य ॥ ॥ कालवकथा ॥
 ॥ आक ॥ कालवक्रं नमस्तुल्यं लुकिं छा ॥ सूर्यनव वज्रयाधधनं विलं कान
 वक्रं नमिहं ॥ ॥ निलं ॥ किनलाशय प्रकृत्य सर्वसगिनिरुक्ता रुंता
 नमस्यामि प्रकृताय सामकि ॥ ॥ मूलवत् ॥ आक ॥ मूलनिनिहिकानूरव इरुक्
 वषट्ः किं नरुनमूरुं रुं नीसकीया सनिविदिद्यनस निलं वदद्वयं ववकु

[illegible]

न३

न३

समग्रद्वयविघ्नविघ्नहन्ता वनाशीश ॥

५ ५ ५ ५

सर्वनाथगतासाकं सर्वनाथगतावयं सर्वधर्मगनेवाला दशमधुबमूरुमं ॥ १ ॥
सर्ववक्रनसंयुक्तं सर्ववक्रनवर्जितं समनकरुदकायाय दशमधुबमूरुमं ॥ २ ॥
गान्धर्वमार्गसंरुग्णं हानवर्ज्यं विश्वधर्मसमनकरुदकायाय दशमधुबमूरुमं
॥ ३ ॥ सर्वसत्त्वमहाविरुद्धं ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥
सर्वसत्त्वमहाविरुद्धं ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥
नादिनपि स्वासर्वविकल्पमाह कवनं गान्धर्वमार्गसंरुग्णं हानवर्ज्यं विश्वधर्मसमनकरुदकायाय दशमधुबमूरुमं
कनकिनगुनहानदयं माकदयस्या गत्य कियुतवदसमनसानि रण्यसंभार
यवद ॥ ५ ॥



